राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार, 20फ़रवरी 2021 वर्ष-4, अंक -28 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हत्यारिन शबरन की करतूतों को क्लास में पढ़ते हैं पुलिस वाले

मुरादाबाद। बावनखेड़ी कांड एक बार फिर चर्चा में है। शबनम को फांसी देने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। चर्चित बावनखेड़ी कांड पुलिस एकेडमी के पाठ्यक्रम में भी शामिल है। डाक्टर भीमराव अंबेडकर पुलिस एकेडमी में पुलिस कर्मी कानून की पढ़ाई के साथ-साथ बावनखेड़ी की खलनायिका की करतूत को भी पढ़ते हैं। पुलिस ने मात्र 72घंटे की विवेचना के अंदर कातिलों को जेल भेज दिया था। विवेचना में तत्कालीन विवेचक ने क्या-क्या सबूत जुटाए थे। उन्हीं तथ्यों के आधार पर शबनम और उसके प्रेमी सलीम को फांसी की सजा हो सकी है। 14 अप्रैल 2008 की रात अमरोहा के हसनपुर स्थित बावनखेड़ी में शौकत का पूरा परिवार खाना खाने के बाद सोने चला गया था। शबनम भी घरवालों को खाना खिलाने के बाद सोने चली गई। उसी रात उस घर पर मौत का कहर बरपा। जब सुबह लोग जागे तो शौकत के घर का मंजर खौफनाक था। हर तरफ लाशें बिखरी हुई थीं। माता-पिता समेत सात लोगों की हत्या की जा चुकी थी। सिर्फ शबनम जिंदा बची थी। शबनम ने पुलिस को बताया था कि घर में बदमाशों ने धावा बोलकर सबको मार डाला है। हमलावर छत के रास्ते आए थे। तत्कालीन इंस्पेक्टर हसनपुर आरपी गुप्ता ने जांच शुरू की। शबनम के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल निकलवाई तो शबनम ने तीन महीने में एक नंबर पर नौ से ज्यादा बार फोन किया था। पुलिस ने उस नंबर की जांच की तो पाया कि वो नंबर गांव में आरा मशीन चलाने वाले सलीम का था। पुलिस ने सीडीआर को जांचने के बाद पाया कि घटना की रात शबनम और सलीम के बीच 52 बार फोन पर बातचीत हुई थी। शबनम के चेहरे पर परिवार के सात लोगों की हत्या का खौफ भी नहीं था। इंस्पेक्टर आरपी गुप्ता ने 72 घंटे तक बारीकी से जांच करते हुए सबूत एकत्र किए थे। इसके बाद उन्होंने शबनम और सलीम को गिरफ्तार कर केस का पर्दाफाश कर दिया था।

दिशा रवि की गिरफ्तारी पर बोले अमित शाह

अपराध करने वाले की उम्र और पेशा नहीं पूछना चाहिए

यदि आपको लगता है कि एफआईआर गलत है तो फिर कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। बता दें कि अमित शाह ने पहली बार किसान आंदोलन को लेकर हुई हिंसा के बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। फिलहाल गृह मंत्री पश्चिम बंगाल में व्यस्त हैं।

कोलकाता। किसान आंदोलन से जुड़े टूलकिट केस में 21 साल की दिशा रवि की गिरफ्तारी के मामले पर अमित शाह का बयान आया है। गृह मंत्री अमित शाह ने इस मामले में दिल्ली पुलिस के एक्शन का बचाव करते हुए कहा कि किसी भी अपराधी की उम्र नहीं देखनी चाहिए। किसान आंदोलन में खालिस्तानी लिंक से लेकर टूलकिट तक के मसले पर हो रही जांच के सवाल पर अमित शाह ने कहा कि मैं इस केस की मेरिट में नहीं जाता हूं। पुलिस अपने हिसाब से काम कर रही है। यदि कोई व्यक्ति कोई अपराध करता है तो उसकी उम्र या पेशा पूछना चाहिए क्या? ऐसा करना गलत है। दिल्ली पुलिस इस मामले में पूरी जिम्मेदारी और प्रोफेशनल तरीके से काम कर रही है। यही नहीं सवाल उठाने वालों पर अमित शाह ने तीखा हमला बोलते हुए कहा, यदि कल कोई व्यक्ति बड़ा गुनाह कर देता है तो क्या यह कहा जाएगा कि क्यों किसान, प्रोफेसर और नेताओं पर केस क्यों दर्ज हुआ है। उन्होंने कहा कि जेंडर, प्रोफेशन और उम्र के आधार पर अपराध दर्ज नहीं किया जाएगा। एक नया फैशन चल गया है। यदि कोई गलत एफआईआर है तो आप कोर्ट जा सकते हैं। 21 साल की उम्र के तो तमाम लोग हैं, लेकिन दिशा रवि को ही क्यों अरेस्ट किया गया है। दिल्ली पुलिस प्रोफेशनल काम कर रही है। इसके खिलाफ अदालत खुली है और वहां चले जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कानूनी मामलों में सवाल उठाने का आजकल नया फैशन चल गया है। मीडिया भी इसमें पीछे-पीछे चलने लगा है। एबीपी न्यूज को दिए इंटरव्यू में अमित शाह ने कहा कि इस तरह की चीजों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि कोई प्रोफेशनल ढंग से काम हो रहा है तो उस पर सवाल नहीं उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि आपको लगता है कि एफआईआर गलत है तो फिर कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। बता दें कि अमित शाह ने पहली बार किसान आंदोलन को लेकर हुई हिंसा के बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। फिलहाल गृह मंत्री पश्चिम बंगाल में व्यस्त हैं। गुरुवार को उन्होंने बीजेपी की 5वीं परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान कई रैलियों को उन्होंने संबोधित किया और दोपहर का भोजन एक बांग्लादेशी शरणार्थी के घर पर किया।

बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद ने लॉन्च की कोरोना की नई दवा

स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन और नितिन गडकरी भी रहे मौजूद

हरिद्वार। कोरोना वायरस से निपटने के लिए 'कोरोनिल' नाम से इम्युनिटी बूस्टर दवा लॉन्च कर चुकी बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद ने अब एक नई दवा पेश की है। बाबा रामदेव का कहना है कि यह दवा WHO द्वारा सर्टिफाइड है। इस दवा का नाम भी कोरोनिल टैबलेट ही है। पतजंलि का कहना है कि इस दवा से दुनिया के 158 देशों को कोरोना से निपटने में मदद मिलेगी। इससे पहले पतंजलि की ओर से बीते साल जून में कोरोनिल नाम से दवा लॉन्च करने का दावा किया था। इस पर काफी विवाद हुआ था, जिसके बाद पतंजलि ने कहा था कि यह दवा कोरोना को खत्म करने का दावा नहीं करती है बल्कि इम्युनिटी बूस्टर है। दवा की लॉन्चिंग के मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद थे। दवा की लॉन्चिंग के साथ ही इस दौरान एक रिसर्च पेपर भी जारी किया गया, जिसे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और डॉ. हर्षवर्धन ने लॉन्च किया। पतंजलि आयुर्वेद की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक इस दवा को 100 से ज्यादा वैज्ञानिकों ने मिलकर तैयार किया है। पतंजलि का कहना है कि इन दवाओं से न सिर्फ इम्युनिटी मजबूत होगी बल्कि कोरोना को भी खत्म किया जा सकेगा। पतंजलि ने जो नई दवाएं लॉन्च की हैं, उनमें कोरोनिल और श्वासारी के अलावा पीड़ानिल, आर्थोग्रिट, मधुनाशिनी व मधुग्रिट, मुक्तावटी, थायरोग्रिट, प्रोस्टोग्रिट, इम्यूनोग्रिट, सिस्टोग्रिट आदि प्रमुख हैं। कोरोना वैक्सीन को लेकर पतंजलि के रिसर्च पेपर का विमोचन करते हुए डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि पतंजलि और केंद्र सरकार का एक ही सपना है कि नई तकनीक के आधार पर आयुर्वेद को स्थापित किया जा सके।

चीन ने पहली बार कबूली गलवान खूनी संघर्ष में अपने सैनिकों की मरने की बात, नाम सहित बताया कितने मारे गए थे

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद का मसला अब सुलझता दिख रहा है। इस बीच चीन ने पहली बार औपचारिक तौर पर कबूल किया है कि गलवान घाटी के खूनी संघर्ष में उसके भी सैनिक मारे गए थे। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने पहली बार गलवान घाटी के खूनी संघर्ष में मारे गए अपने सैनिकों की संख्या का ऐलान किया है। चीनी सेना ने दावा किया है कि गलवान घाटी के खूनी संघर्ष में उसके 4 सैनिक मारे गए थे। हालांकि, चीन के कबूलनामे का यह आंकड़ा काफी कम है, क्योंकि भारत समेत दुनियाभर के कई एजेंसियों ने इसका आंकड़ा काफी अधिक बताया था। बता दें कि पिछले साल जून महीने में हुए गलवान संघर्ष में भारत के 20 जवान शहीद हुए थे। चीन भले ही अपने सैनिकों की संख्या को देर से ही सही कबूल किया हो, मगर अब भी उसने सच नहीं बयां किया है। क्योंकि जिस तरह की रिपोर्ट देश-विदेश से आई, उसमें चीनी सैनिकों के बड़ी संख्या में हताहत होने की बात थी। भारत ने भी दावा किया था कि चीन के करीब 40 से अधिक सैनिक गलवान संघर्ष में मारे गए थे। इतना ही नहीं, हाल ही में रूसी सामाचार एजेंसी ञ्रस्स ने दावा किया कि 15 जून को गलवान घाटी झड़प में कम से कम 45 चीनी सैनिक भी मारे गए थे। इससे पहले भी कई रिपोर्ट में ऐसे खुलासे हुए थे। मगर चीन ने तब तक आधिकारिक तौर पर अपने सैनिकों के मरने की बात को नहीं कबूली थी। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र समाचार के मुताबिक, चीन के केंद्रीय सैन्य आयोग ने काराकोरम पर्वत पर तैनात रहे पांच चीनी सैनिकों के बलिदान को याद किया है और सम्मानित भी किया है। मारे गए चीनी सैनिकों का नामा भी ड्रैगन ने साझा किया है, जो हैं- पीएलए शिनजियांग मिलिट्री कमांड के रेजीमेंटल कमांडर क्यूई फबाओ, चेन होंगुन, जियानगॉन्ग, जिओ सियुआन और वांग जुओरन। पीएलए की डेली रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि गलवान खूनी संघर्ष में उसके चार सैनिक मारे गए थे, वहीं एक की मौत गलवान के खूनी झड़प में रेस्क्यू के वक्त नदी में बहने से हुई थी। चीन ने अपने सैनिकों को लेकर लिखा है कि इन सैनिकों ने राष्ट्रीय संप्रभुता और अपनी जमीन की रक्षा करते हुए जान दे दी।

मुंबई में और सख्त हुए कोरोना नियम, मरीज के संपर्क में आए तो हो जाएं क्वारंटाइन, वरना होगी जेल

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और मुंबई में कोविड-19 से हालात चिंताजनक होने के कारण, अधिकारियों ने कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए कई दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसमें होम क्वारंटाइन और सील बिल्डिंग का उल्लंघन करने वालों को सजा दी जा सकती है। मुंबई में गुरुवार को वायरल संक्रमण के कारण 736 ताजा मामले और तीन मौतें दर्ज की गईं। यह 6 जनवरी (795 नए मामलों) के बाद से शहर में देखे जाने वाले दैनिक मामलों की सबसे अधिक संख्या है। मुंबई का कुल केसलोड 316,487 हो गया है जबकि 11,432 लोग अब तक इस बीमारी से मर चुके हैं। शहर का सक्रिय केसलोट 4,782 है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने होम क्वारंटाइन के नियम तोड़ने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और फिर उन्हें महामारी संबंधी रोग अधिनियम, 1897 के तहत अनिवार्य इंस्टीट्यूशनल क्वारंटाइन के लिए भेजने का फैसला किया है। कोविड-19 पॉजिटिव लोगों के हाई रिस्क वाले कॉन्टेक्ट यदि होम क्वारंटाइन नहीं होते हैं तो उनको मुंबई में छह महीने की कैद, या कम से कम 200 रुपये का जुर्माना देना पड़ सकता है। गौरतलब है कि कोरोना ने दुनियाभर में जमकर आतंक मचाया। ऐसे में हर दवा उम्मीद बंधा रही है। भारत की बात करें तो 29 जनवरी तक देश में लोगों को टीके की खुराकें देने के मामले में भारत पांचवें स्थान पर है। मंत्रालय ने बताया कि 31 राज्यों और केन्द्र शासित क्षेत्रों में उपचाराधीन मामलों की संख्या 5000 से कम है। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में उपचाराधीन मामलों की संख्या चार है, वहीं दमन और द्वीव तथा दादर और नगर हवेली में छह है। कोविड-19 के 79.69 प्रतिशत उपचाराधीन मामले पांच राज्यों और केन्द्र शासित क्षेत्रों से हैं। मंत्रालय ने कहा, दो राज्यों केरल और महाराष्ट्र में देश के कुल उपचाराधीन मामलों के 69.41 प्रतिशत मामले हैं।

लोगों की लापरवाही जारी-कोरोना वायरस महामारी के बीच मुंबई के स्थानीय निकाय विभाग ने पिछले साल अप्रैल से लेकर अब तक सार्वजनिक स्थानों पर बिना मास्क के 15 लाख से अधिक लोगों को पकड़ा है और उनसे 30 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना वसूल किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी ।

बृहन्मुंबई नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि अकेले सोमवार को 13,008 लोग पकड़े गये हैं और उनसे 26,01,600 रुपये जुर्माने के तौर पर वसूला गया है।

10 लाख पुराने हाथी के दांत से निकाला गया दुनिया का सबसे पुराना डीएनए

नई दिल्ली। रूस के बर्फ से ढंके साइबेरियाई इलाके में पाए गए एक 10 लाख साल पुराने प्राचीन हाथी (मैमथ) से वैज्ञानिकों ने दुनिया का सबसे पुराना डीएनए निकाला है। वैज्ञानिकों ने बताया कि ये हाथी प्राचीन काल में पूरे साइबेरिया में विचरण करते रहते थे। शोधकर्ताओं ने हाल ही में दो हाथियों के चबाने वाले दांत से डीएनए निकाला था और उसकी मैपिंग की थी। ये हाथी साइबेरिया की बर्फ के नीचे लाखों साल से दबे हुए थे। वैज्ञानिकों ने पाया कि यह डीएनए 10 लाख साल पुराना था, जो अब तक का सबसे पुराना डीएनए है। इससे पहले यह रिकॉर्ड एक प्राचीन घोड़े के नाम था, जो 5 लाख 60 हजार साल से 7 साल 80 हजार साल पुराना था। प्राचीन हाथियों के दांत की जांच करने वाले शोधकर्ताओं ने बताया कि ये चबाने वाले दांत दो अलग-अलग तरीके के हाथियों के थे। वैज्ञानिकों ने यह पहली बार पता लगाया है कि हाथी के ये दांत कितने पुराने थे। इस डीएनए का पता लगाने के लिए सबसे पहले उस इलाके की चट्टान का अध्ययन किया गया, जहां से इस हाथी के दांत को निकाला गया था। यह चट्टान 11 लाख से 12 लाख साल पुरानी थी। दूसरा दांत भी एक चट्टान से ही निकाला गया था, जो 5 लाख से 12 लाख साल पुरानी थी। वैज्ञानिकों ने भूगर्भिक आंकड़े का जेनेटिक डेटा से मिलान किया। इसके बाद दांतों की उम्र का अंदाजा लगाया गया।

पेट्रोल की कीमतों में लगी आग से चुनावी राज्यों में बढ़ी भाजपा की टेंशन, राहत के लिए यह कदम उठा सकती है पार्टी

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि से आगामी चुनाव वाले राज्यों में भाजपा की चिंता बढ़ गई है। पार्टी के केंद्रीय पदाधिकारियों की रविवार को होने वाली बैठक में चुनाव वाले राज्यों के नेता इस मुद्दे को केंद्रीय नेतृत्व के सामने रख सकते हैं। इस बारे में केंद्र सरकार द्वारा दिए जा रहे तथ्यों से तो पार्टी नेता सहमत हैं, लेकिन जनता में जा रहे संदेश, विरोधी दलों के मुद्दा बनाने और महंगाई बढ़ने की आशंका बरकरार है। अप्रैल माह में पांच विधानसभाओं के चुनाव से पहले रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुके पेट्रोल-डीजल की कीमतों ने इन राज्यों के भाजपा नेताओं के माथे पर शिकन ला दी है। सूत्रों के अनुसार पार्टी की रविवार की बैठक में यह मुद्दा भी चर्चा में आ सकता है। खासकर चुनाव वाले राज्य अलग से इस मुद्दे पर केंद्रीय नेतृत्व का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं और राहत की मांग भी कर सकती हैं।

● पार्टी के केंद्रीय पदाधिकारियों की रविवार को होने वाली बैठक में चुनाव वाले राज्यों के नेता इस मुद्दे को केंद्रीय नेतृत्व के सामने रख सकते हैं।

राहत के संकेत-सूत्रों का कहना है कि भाजपा शसित राज्य इस स्थिति में अपने यहां कुछ टैक्स घटा सकते हैं कि जिससे लोगों को कुछ राहत मिले। इससे अन्य राज्यों पर भी दबाब बनेगा और स्थितियां सुधर सकती हैं। हाल में राजग की मेघालय सरकार ने अपने यहां कीमतें कम की हैं। कोरोना काल में अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रभाव के बाद केंद्र सरकार शायद ही इन कीमतों में अपनी तरफ से कोई राहत दे। हालांकि वह राज्यों के जरिये कुछ उपाय कर सकती है। हाल में सरकार में उच्च स्तर से आए बयान भी इसी बात के संकेत दे रहे हैं।

हर रोज तय होता है दाम-गौरतलब है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें एक प्रक्रिया के तहत तेल कंपनियां हर रोज तय करती हैं, लेकिन आम आदमी इसे केंद्र सरकार से जोड़कर देखता है। हालांकि इससे मिलने वाले राजस्व में केंद्र और राज्यों, दोनों का हिस्सा होता है। भाजपा के एक प्रमुख नेता ने कहा कि सरकार अंतरराष्ट्रीय सतर पर भी कोशिश कर रही है। अगर ओपेक देश उत्पादन बढ़ाते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतें कम होगी और देश में तेल कंपनियां भी कीमतें घटा सकती हैं।

शहरों में हर घर को नल और सीवर के साथ जोड़ने का होगा काम

नई दिल्ली। जल जीवन मिशन (शहरी) के तहत दस शहरों के पायलट प्रोजेक्ट के बाद देश के सभी 4378 शहरी निकायों में इसे शुरू किया जाएगा और पांच साल के भीतर शहरी क्षेत्रों में नल से जल कनेक्शनों के 2.68 करोड़ घरों के लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ सीवर कनेक्शन पर भी काम किया जाएगा और उसमें 2.64 करोड़ कनेक्शनों के अनुमानित लक्ष्य को भी इसी समयावधि में पूरा किया जाएगा। इस परियोजना के लिए अनुमानित खर्च दो लाख 87 हजार करोड़ रुपए है। इसमें तीन बिंदुओं पानी की गुणवत्ता, जल स्त्रोत का संरक्षण और जल वितरण में हानि को कम करने पर जोर दिया जाएगा। जल जीवन मिशन (शहरी) के तहत इस काम के साथ पानी के स्त्रोतों पर भी काम किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों और उनके आसपास पानी के पुराने स्त्रोतों को तलाशने, उनके पुनुरुद्धार करने और नए स्त्रोत तैयार करने का भी काम किया जाएगा। इस काम में आधुनिक तकनीक की भी मदद ली जाएगी। एक अनुमान के मुताबिक लगभर 50 फीसद पानी का कोई हिसाब किताब नहीं है यानी यह पानी या तो लीकेज में बर्बाद हो रहा है या फिर इसका कोई भुगतान नहीं हो रहा है। इस नुकसान को भी 20 फीसद तक लाने की योजना है।

● गौरतलब है कि अभी शहरी क्षेत्रों में यह काम अमृत योजना के तहत हो रहा है जिसमें पांच सौ शहर ही शामिल हैं। इनमें 478 शहर एक लाख से ज्यादा जनसंख्या वाले हैं। बाकी शहरों में राज्यों की राजधानियां, ह्रदय योजना शहर व नदी किनारे के महत्वपूर्ण शहर शामिल हैं। मंत्रालय की योजना इसे स्वच्छ सर्वेक्षण की तरह चलाने की है, जिससे लोगों में जागरुकता के साथ प्रतिस्पर्धा भी बढ़े।

सीधे पीने लायक होगा नल का जल

केंद्रीय आवासन व शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने कहा है कि इसमें इस बात पर ज्यादा काम किया जाएगा कि जो पानी नल से आएगा वह गुणवत्ता वाला हो और उसे सीधे पिया जा सके। उसे आरओ या अन्य उपकरणों से फिल्टर करने की जरूरत न पड़े। इसके लिए उसका संयंत्रों में ही पूरी तरह से शोधन किया जाएगा और पाइपलाइन को भी ठीक रखा जाएगा। साथ ही जो पानी उपयोग के बाग वेस्ट के रूप में होगा उसका भी शोधन कर उसे बागबानी या औद्योगिक उपयोग में लेने का काम भी किया जाएगा।

जागरुकता व प्रतिस्पर्धा बढ़ाने का होगा काम-गौरतलब है कि अभी शहरी क्षेत्रों में यह काम अमृत योजना के तहत हो रहा है जिसमें पांच सौ शहर ही शामिल हैं। इनमें 478 शहर एक लाख से ज्यादा जनसंख्या वाले हैं। बाकी शहरों में राज्यों की राजधानियां, ह्रदय योजना शहर व नदी किनारे के महत्वपूर्ण शहर शामिल हैं। मंत्रालय की योजना इसे स्वच्छ सर्वेक्षण की तरह चलाने की है, जिससे लोगों में जागरुकता के साथ प्रतिस्पर्धा भी बढ़े।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

रेल न रुके

देशव्यापी रेल रोको आंदोलन का शांतिपूर्वक समापन किसी राहत से कम नहीं है। 26 जनवरी को ट्रैक्टर परेड के दौरान दिल्ली में जिस तरह से उपद्रव हुआ था, उसके बाद रेल रोको आह्वान पर भी चिंता जताई जा रही थी। देश के करीब आधे राज्यों में रेलों को रोकने की खबरें सामने आई हैं, चूंकि अब किसानों को तमाम विपक्षी दलों का समर्थन मिलने लगा है, अतः कुछ जगहों पर राजनीतिक झंडे के तले भी रेल परिचालन को बाधित किया गया। दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे के बीच रेल रोकने की कोशिश विशेष रूप से पंजाब और हरियाणा में ज्यादा हुई है। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में भी आंशिक असर देखा गया है। रेलवे का यही मानना है कि देश भर में ट्रेनों के चलने पर नगण्य या न्यूनतम प्रभाव पड़ा है और चार बजे के बाद रेल सेवाएं सामान्य हो गईं। रेलवे ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल पर ध्यान केंद्रित करते हुए देश भर में सुरक्षा बलों की 20 अतिरिक्त कंपनियों की तैनाती की थी। किसानों ने भी संयम का परिचय दिया है और यकीनन उनके आंदोलन की आवाज सरकार तक फिर पहुंची है। आज देश जिस स्थिति में है, कोई भी किसी तरह की हिंसा नहीं चाहेगा। किसानों का यह आंदोलन शायद लंबा चले, लेकिन उन्हें किसी भी स्तर पर हिंसा का सहारा लेने से बचना चाहिए। सभी पंचायतों-मंचों से हिंसा के खिलाफ अपील होनी चाहिए। यह सरकार के लिए भी अच्छी बात है कि किसान आंदोलन अपनी हदों में रहे, लेकिन सरकार को आंदोलन के वास्तविक समाधान के बारे में जरूर सोचना चाहिए। यह तो अच्छी बात है कि अभी 50 से 60 प्रतिशत के करीब रेलों की ही पटरियों पर वापसी हुई है। ट्रेन संचालन अगर सामान्य दिनों जैसा होता, तो बहुत मुश्किल हो जाती। रेल संचालन में चार घंटे भी बहुत मायने रखते हैं। किसी को नौकरी पर पहुंचना होता है, तो किसी को बूढ़े मां-बाप तक, तो कोई जीवन संवारने की यात्रा पर होता है। सामान्य दिनों में रेलें रुक जाएं, तो भारत में जनजीवन ही बाधित हो जाए। रेलवे भारत में जीवन रेखा की तरह है। लाखों लोगों का रोजगार इससे प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। ऐसे में, किसी संगठन या किसी राजनीतिक दल के मन में अगर रेल रोकने की योजना आती है, तो यह देश को प्रभावित करने की साजिश से कम नहीं। किसी को आरक्षण चाहिए, किसी को नौकरी, तो किसी को किसी कानून का विरोध करना है, रेल रोकना विरोध जताने का आसान तरीका है, क्योंकि इससे पूरे देश पर असर पड़ता है। लेकिन अब हम ऐसे दौर में हैं, जब हमें रेल या बस रोकने से बचना चाहिए। तेज आर्थिक विकास के लिए हमें आंदोलन के सभ्य तरीकों से काम लेना होगा। जिस देश में करोड़ों युवा बेरोजगार हों, वहां यातायात या परिवहन का कोई भी साधन बाधित नहीं होना चाहिए। रेल रोकना केवल रेलवे के लिए ही नहीं, देश के लिए नुकसानदेह है। हमें भूलना नहीं चाहिए, लॉकडाउन की वजह से पिछले वर्ष रेलवे के राजस्व में 36,993 करोड़ रुपये की गिरावट आई है। रेल सेवा सामान्य हो, तभी भरपाई संभव है। क्या किसी आंदोलन की मांग पूरी होने से इस गिरावट की भरपाई हो जाएगी? जाहिर है, अंतिम दुष्प्रभाव तो आम लोगों को ही भुगतना होगा। वाकई यह समय व्यापकता में देशहित में सोचने का है।

आज के ट्वीट

बधाई

समस्त प्रदेशवासियों से यह साझा करते हुए हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में उ.प्र. 10 लाख लोगों को कोविड-19 वैक्सीन लगाने वाला देश का प्रथम राज्य बन गया है। इसका श्रेय सभी स्वास्थ्य कार्मिकों एवं आप सभी को जाता है। सभी प्रदेशवासियों को बधाई।

-- योगी आदित्यनाथ

अभिव्यक्ति की आजादी की हो रक्षा

विश्वनाथ सचदेव

अब इक्कीस साल की दिशा पर देशद्रोह का आरोप लगा है। बेंगलुरु की इस युवती का यह प्रकरण क्या रूप लेता है, यह तो पुलिस की अगली कार्रवाई और अदालत के रुख पर ही निर्भर करता है, लेकिन पिछले कुछ अर्से में देश में 'देशद्रोह' के मामलों में जो गति आयी है, वह सचमुच चिंता का विषय होनी चाहिए। आंकड़े बताते हैं कि जहां सन् 2016 में 'देशद्रोह' के कुल 35 मामले सामने आये थे, वहीं 2019 में यह संख्या बढ़ कर 93 हो गयी-अर्थात 165 प्रतिशत की वृद्धि। देशद्रोह के ये आरोप धारा 124-ए के अंतर्गत दर्ज होते हैं। यदि इनके साथ यू.ए.पी.ए को देखा जाये तो वर्ष 2019 में इसके अंतर्गत 1226 मामले दर्ज हुए थे। सन् 2016 की तुलना में यह 33 प्रतिशत की वृद्धि है। ज्ञातव्य है कि धारा 124-ए के अंतर्गत तीन साल से लेकर आजीवन कारावास की सज़ा हो सकती है और यू.ए.पी.ए अर्थात गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) कानून के अंतर्गत मामलों में सामान्यतः अदालतें ज़मानत भी नहीं देतीं। आकड़े बहुत कुछ कहते हैं, पर बहुत कुछ आंकड़ों के घटाटोप में छिप भी जाता है। मसलन 124-ए के अंतर्गत जिन लोगों को देशद्रोह का आरोप झेलना पड़ रहा है, उनमें विद्यार्थियों से लेकर पत्रकार, बुद्धिजीवी, लेखक, कलाकार, पर्यावरण-कार्यकर्ता तक शामिल हैं। वर्ष 2019 में देशद्रोह के नौ प्रतिशत और यू.ए.पी.ए के ग्यारह प्रतिशत पिछले मामले पुलिस ने 'प्रमाण' के अभाव में वापस ले लिये थे। यह तथ्य भी गौर करने लायक है कि वर्ष 2019 में 'देशद्रोह' के 3.3 प्रतिशत मामलों में ही सज़ा सुनायी गयी थी, जबकि यू.ए.पी.ए मामलों में यह प्रतिशत लगभग उनतीस था। यहीं इस तथ्य की भी उपेक्षा नहीं की जा सकती कि 'देशद्रोह' एक बहुत ही गंभीर अपराध है और चौबीसों घंटों के समाचार-चैनलों के युग में किसी को बार-बार देशद्रोह का आरोपी बताना संबंधित व्यक्ति की सामाजिक छवि को क्षति पहुंचा सकता है। इस संदर्भ में पिछले कुछ सालों में जो एक और प्रवृत्ति सामने आयी है, वह सरकार के विरोध को देशद्रोह मान लेने की है। अक्सर इस बात को भुला दिया जाता है कि देश और सरकार एक-दूसरे के पर्यायवाची नहीं हैं। सरकार की आलोचना करने का मतलब देश के प्रति गद्दारी करना नहीं हो सकता। जनतांत्रिक व्यवस्था में हम देश का कामकाज चलाने के लिए सरकार चुनते हैं। यह सरकार घोषित नीतियों और देश के संविधान के अनुसार शासन चलाती है। नागरिक का अधिकार है और कर्तव्य भी कि वह अपने द्वारा चुनी हुई सरकार की नीतियों, और उसके कार्यों की आलोचना कर सके। जनतंत्र में विरोध एक पवित्र और महत्वपूर्ण शब्द है। सच बात तो यह है कि यह एक शब्द मात्र नहीं है, यह एक विचार है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता इसी विचार को परिभाषित करती है। फ्रांसीसी दार्शनिक वाल्तेयर ने कहा था कि 'हो सकता है मैं आप से असहमत होउं, पर अपनी बात कहने के आपके अधिकार की रक्षा मैं अपनी अंतिम सांस तक करूंगा।' उनका यह कथन जनतांत्रिक मूल्यों-आदर्शों को उजागर करने वाला है। विरोध या असहमति जनतंत्र की भावना और परिकल्पना का एक आधार है। इस आधार की उपेक्षा का मतलब जनतांत्रिक आदर्शों को अस्वीकारना है। इस परिप्रेक्ष्य में हमें देखना होगा कि आज हमारी सरकारें असहमति को किस दृष्टि से लेती हैं। सत्तारूढ़ दल के नेताओं के बयान अक्सर यह अहसास कराने वाले होते हैं कि उनके विचारों के विरोधी देश-विरोधी हैं। यही नहीं, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के नाम पर किसी को भी राष्ट्र-विरोधी करार देने की एक खतरनाक प्रवृत्ति भी लगातार उभर रही है। इस प्रवृत्ति के निहितार्थों को समझना ज़रूरी है। भारत जैसे बहुधर्मी, बहुभाषीय, बहुजातीय देश में इस तरह की प्रवृत्ति का होना सामाजिक ताने-बाने को कमज़ोर ही बनाता है। न तो राष्ट्र-प्रेम पर किसी का एकाधिकार हो सकता है और न ही राष्ट्र के प्रति निष्ठा के नाम पर किसी को गद्दार कहा जा सकता है। देशद्रोही वह है जो राष्ट्र का अहित करता है, वह नहीं जो सरकार के कार्यों और मंतव्यों पर सवाल उठाता है। इस बात से कैसे इनकार किया जा सकता है कि हित-अहित की अवधारणा पर मतभेद हो सकता है। जनतंत्र में इस संदर्भ में विचार-विमर्श का रास्ता अपनाया जाता है। संसद में, विधानसभा में, पंचायत में विचारों का आदान-प्रदान होता है, तर्क-वितर्क होता है, तब निर्णय लिये जाते हैं। इस समूची प्रक्रिया में विरोधी-विचार को राष्ट्र-द्रोह मानने के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। सच तो यह है कि जब हम गुलाम थे तो अंग्रेज़ों ने अपने विरोध को राष्ट्र-विरोध मानने का षड्यंत्र किया था। आज से 184 वर्ष पहले, सन् 1837 में आई.पी.सी. के प्रारूप में देशद्रोह की चर्चा सुनी गयी थी। मैकाले ने तब कहा था-कोई भी जो सरकार के प्रति असंतोष फैलाता है, उसे तीन वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सज़ा दी जा सकती है। वर्ष 1860 में इस संबंध में कानून भी बना, पर उसमें भी राष्ट्र-द्रोह वाली धारा नहीं थी। दस साल बाद 1870 में यह 'ग़लती' सुधारी गयी और दंड संहिता में धारा 124-ए जोड़ी गयी। अंग्रेजों ने तो अपने हित के लिए यह धारा जोड़ी थी, तब उन्होंने अपनी सरकार को देश का पर्याय माना था। दुर्भाग्य से आज भी इस तरह की सोच पल रही है। सन् 1860 में इस धारा का न जुड़ना अंग्रेजों के लिए एक ग़लती थी, और स्वतंत्र भारत में इस धारा का जुड़ा रहना 'गलती' है- सच तो यह है कि यह जनतंत्र के प्रति अपराध है। गुलाम भारत में सबसे पहले यह धारा बाल गंगाधर तिलक के खिलाफ काम में ली गयी थी। फिर महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू को इसके अंतर्गत सज़ा दी गयी। तब गांधी ने कहा था, 'सरकार के प्रति असंतोष फैलाना मेरे लिए पैशन (जुनून) है।' यही तर्क नेहरू और मौलाना आज़ाद ने भी अपनाया था। जब संविधान-सभा में इस धारा की चर्चा हुई तो सरदार भूपिंदर सिंह और सरदार हुकुम सिंह ने इसे रखे जाने का विरोध किया था और इसे हटा दिया गया। दुर्भाग्य से वर्ष 1951 में, संविधान का पहला संशोधन इस धारा को फिर से जोड़ने के लिए हुआ था। तब जवाहरलाल ने इसे 'अत्यंत आपत्तिजनक' और 'अप्रिय' तो कहा पर 'व्यावहारिक' और 'ऐतिहासिक' कारणों का हवाला देकर इस धारा को फिर से जोड़ना स्वीकार किया था। काश, तब ऐसा नहीं होता। काश, वे व्यावहारिकता के बजाय जनतांत्रिक सिद्धांतों के बारे में सोचते। पिछले सत्तर सालों में इस धारा को हटाने की बात तो हुई है, पर बात सिरे नहीं लगी। अब समय आ गया है कि सरकार और राष्ट्र को पर्याय मानने की ग़लती को सुधारा जाये। राष्ट्र-हित सर्वोपरि हैं, राष्ट्र-प्रेम सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवधारणा है, पर जनतांत्रिक मूल्यों-आदर्शों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। विवेक का तकाज़ा है कि इन मूल्यों की हरसंभव तरीके से रक्षा हो। लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

सचेतन

आचार्य रजनीश ओशो

सचेतन रूप से हम चुनते नहीं कि हम जन्म लें। सचेतन रूप से सिर्फ एक ही मौका आता है चुनने का, वह तब आता है जब पूरी तरह व्यक्ति स्वयं को जान लिया होता है। वह घटना घट गई होती है, जिसके आगे पाने को कुछ नहीं होता। ऐसा क्षण आ जाता है जब वह व्यक्ति कह सकता है कि अब मेरे लिए कोई भविष्य नहीं है, क्योंकि मेरे लिए कोई वासना नहीं है। ऐसा कुछ भी नहीं है जो मैं न पाऊं तो मेरी कोई पीड़ा है। यह बहुत ही शिखर का क्षण है पीक। इस शिखर पर ही पहली दफा स्तंत्रता मिलती है। अब यह बड़े मजे की बात है और जीवन के रहस्यों में से एक कि जो चाहेंगे कि स्वतंत्र हों वे स्वतंत्र नहीं हो पाते हैं और जिसकी अब कोई चाह नहीं रही वे स्वतंत्र हो जाते हैं। जो चाहते हैं कि यहां जन्म ले लें, वहां जन्म ले लें, उनके लिए कोई उपाय नहीं है और जो अब इस स्थिति में है कि कहीं जन्म लेने का कोई सवाल न रहा, अब वह इस सुविधा में है कि वह चाहे तो कहीं ले ले, लेकिन यह भी एक ही जन्म के लिए संभव हो सकता है। इसलिए नहीं कि एक जन्म के बाद उसे स्वतंत्रता नहीं रह जाएगी जन्म लेने की। स्वतंत्रता तो सदा होगी, लेकिन एक जन्म के बाद स्वतंत्रता का उपयोग करने का भाव भी खो जाएगा। वह अभी रहेगा। स्वतंत्रता मिलते ही, इस जन्म में यदि आपको घटना घट गई परम अनुभव की, तो स्वतंत्रता तो मिल गई आपको, लेकिन जैसा कि सदा होता है, स्वतंत्रता मिलने के साथ ही स्वतंत्रता का उपयोग करने की जो भाव-दशा है वह एकदम नहीं खो जाएगी। उसका अभी उपयोग किया जा सकता है। जो बहुत गहरे जानते हैं वे कहेंगे, यह भी एक बंधन है। इसलिए जैनों ने, जिन्होंने इस दिशा में सर्वाधिक गहरी खोज की इस दिशा में जैनों की खोज की कोई भी तुलना नहीं है सारे जगत में इसलिए उन्होंने तीर्थकर-गोत्रबंध इसको नाम दिया। यह आखिरी बंधन है स्वतंत्रता का बंधन है। आखिरी, कि इसका भी उपयोग कर लेने का एक मन है। वह भी मन ही है। इसलिए सिद्ध तो बहुत होते हैं, तीर्थकर सभी नहीं होते। परम ज्ञान को कई लोग उपलब्ध होते हैं, लेकिन तीर्थकर सभी नहीं होते। तीर्थकर होने के लिए, यानी इस स्वतंत्रता का उपयोग करने के लिए, एक विशेष तरह के कर्मो का जाल अतीत में होना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

बर्फीले रूस में विरोध की ज्वाला नवेलनी

अरुण नैथानी

पिछले महीने रक्त जमाती ठंड में जब रूस में प्रतिरोध के प्रतीक नवेलनी स्वदेश लौटे तो उनकी गिरफ्तारी के विरोध में रक्त जमाती बर्फ के बीच हजारों लोग सड़कों पर उतरे। पिछले साल प्राणघातक ज़हर दिये जाने के बाद इलाज के लिये जर्मनी गए एलेक्सी नवेलनी के देश लौटने का इंतजार लोग और पुतिन सरकार शिद्दत से कर रहे थे। अब उन्हें पैरोल के नियम तोड़ने के आरोप में साढ़े तीन साल की सजा सुनाई गई है। इसके वाबजूद वे सोशल मीडिया के जरिये रूस सरकार के कथित भ्रष्टाचार पर हमलावर हैं। उनके पोस्ट किये वीडियो को करोड़ों लोगों ने देखा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मुखर आलोचक और विपक्षी नेता नवेलनी रूस में प्रतिरोध के प्रतीक बन गये हैं। हजारों लोग उनकी एक आवाज पर सड़कों पर उतर आते हैं। दुनिया के सबसे ठंडे मुल्कों में शुमार रूस में माइनस चालीस-पचास डिग्री पर भी लोग सड़कों पर उतरे हैं। जिसके बाद पुतिन पश्चिमी देशों के निशाने पर आ गये हैं। नवेलनी की तुरंत रिहाई की मांग की जा रही है। बीते वर्ष अगस्त में घातक नर्व एजेंट नामक ज़हर दिये जाने के बाद नवेलनी अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में छाये रहे हैं। जर्मनी में हुए टेस्ट में पाया गया था कि उन्हें घातक नोविचोक ज़हर दिया गया था, जो रूसी खुफिया एजेंसियों का घातक हथियार रहा है। दरअसल, उनकी मुखरता और मिलते जनसमर्थन से क्रेमलिन मुश्किल में है। रूस पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव लगातार बढ़ रहा है। दरअसल नवेलनी ने इस प्राणघातक हमले के लिये रूसी सरकार पर आरोप लगाया था। दरअसल नवेलनी से भयभीत रूसी सरकार तरह-तरह के आरोप लगाकर उन्हें कई बार गिरफ्तार कर चुकी है। गत दिसंबर में संघीय कारागार सेवा ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में 2014 में दोषी ठहराये जाने को लेकर निलंबित सजा के मामले में उपस्थित होने को कहा। वहीं नवेलनी इन आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहते हैं कि यह सजा तीस दिसंबर को ही समाप्त हो गई है। वहीं यूरोपीय मानवाधिकार अदालत दोष सिद्धि को कानून के विरुद्ध बताती है। बहरहाल, नवेलनी की गिरफ्तारी के बाद रूस में पुतिन सरकार के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। दरअसल, पैंतालिस वर्षीय नवेलनी पुतिन की यूनाइटेड रशिया पार्टी को गंभीर भ्रष्टाचार में लिप्त होने के आरोप लगाते हुए लगातार हमलावर होते रहे हैं। पिछले दिनों कालासागर पर बने अरबों रुपये के महल को पुतिन की ऐशगाह बताकर उन्होंने सनसनी फैला दी है। सोशल साइट पर पोस्ट इस वीडियो को करोड़ों लोगों ने देखा। दरअसल, रूस में पुतिन द्वारा अपना कार्यकाल लगातार बढ़ाये जाने का विरोध होता रहा है। नवेलनी उस विरोध के प्रतीक बने हैं। उनके कार्यकाल बढ़ाये जाने के लिये रूस में किये संवैधानिक सुधारों को वे संविधान विरोधी बताते रहे हैं। दरअसल पुतिन का मौजूदा कार्यकाल वर्ष 2024 में समाप्त होना था, लेकिन उससे पहले ही देश में संवैधानिक सुधारों के लिये वोटिंग कराकर उन्होंने ऐसी व्यवस्था बना ली कि वे निर्धारित अवधि के बाद भी सोलह सालों तक पद पर बने रह सकते हैं, जिसे नवेलनी संविधान से छेड़छाड़ बताते हैं। रूस में भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार अभियान चलाने वाले नवेलनी ने 2011 में पुतिन की पार्टी द्वारा संसदीय चुनाव में बड़ी धांधली का आरोप लगाया था। इसके बाद नवेलनी को एक पखवाड़ा जेल में गुजारना पड़ा था। लेकिन इसके बाद उलटे नवेलनी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर वर्ष 2013 में उन्हें जेल की सीखचों के पीछे डाल दिया गया। बहरहाल, सरकारी दमन के बावजूद वे रूस में लोकतंत्र समर्थकों की आवाज बने हुए हैं। वे सोशल मीडिया के बूते पुतिन सरकार पर लगातार हमलावर बने रहते हैं। यूट्यूब पर उनके चैनल के करीब 38 लाख सब्सक्राइबर हैं। वहीं यूट्यूब पर 25 लाख फॉलोअर हैं। वे लगातार तंत्र के कदाचार से जुड़ी सामग्री सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं। वे पुतिन के विलासी जीवन का कच्चा-चिट्ठा भी खोलते रहते हैं। वहीं रूसी हुक्मरान उन्हें पश्चिमी जगत का रूस विरोधी चेहरा बताते हैं और इसे रूस की संप्रभुता का अतिक्रमण बताते हैं। पुतिन के मुखर आलोचक माने जाने वाले नवेलनी ने वर्ष 2018 में उनके खिलाफ राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का मन बनाया था। लेकिन नॉमिनेशन दाखिल करने के बावजूद उन पर धोखाधड़ी का आरोप लगाकर उन्हें चुनाव लड़ने से रोक दिया गया। उनकी दलील थी कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद करने की वजह से उन्हें झूठे आरोपों में फंसाया जा रहा है। लेकिन इससे नवेलनी की लोकप्रियता में इजाफा ही हुआ है। जर्मनी से उनके स्वदेश लौटने पर देशव्यापी प्रदर्शनों के बीच जब हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया तो उनमें उनकी पत्नी यूलिया भी शामिल थी जो नवेलनी की अनुपस्थिति में आंदोलनों का नेतृत्व करती हैं। बड़ी सजा की चेतावनी के बावजूद लाखों लोग नवेलनी के पक्ष में सड़कों पर उतर रहे हैं।

LIC हाउसिंग फाइनेंस ने मोबाइल ऐप के जरिए 1,331 करोड़ रुपए का ऋण दिया

मुंबईः एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने शुक्रवार को कहा कि उसने पिछले एक साल में अपने मोबाइल बैंकिंग ऐप के जरिए 1,331 करोड़ रुपए का ऋण बांटा। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने बताया कि उसने 'होमी' ऐप की पेशकश 14 फरवरी 2020 को की थी और इसके बाद से इस पर आवास ऋण के 14,155 आवेदनों को आगे बढ़ाया गया। एक बयान में बताया गया कि इनमें 7,300 से अधिक ग्राहकों को आवास ऋण की मंजूरी दी गई, जबकि 6,884 ग्राहकों को 1,331 करोड़ रुपए का ऋण जारी किया जा चुका है। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के प्रबंध निदेशक और सीईओ वाई विश्वनाथ गौड़ ने कहा, ''हम पिछले एक वर्ष के दौरान मिली ग्राहकों की प्रतिक्रिया से रोमांचित हैं। हमरा उद्देश्य आरईडी (रिइमेजिंग एक्सिलेंस थ्रो डिजिटल ट्रांसफार्मेशन) परियोजना के तहत ग्राहकों से जुड़ी सभी गतिविधियों को स्वचालन के अंतर्गत लाने की दिशा में काम करने का है।''

Bitcoin की उड़ान जारी, पार किया 52600 डॉलर का स्तर

बिजनेस डेस्कः दुनिया की सबसे प्रचलित क्रिप्टोकरेंसी बिटक्काइन रोज नए रिकॉर्ड बना रही है। इसकी कीमत बुधवार को नए रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गई है। इसका भाव 52640 डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पहले मंगलवार को बिटक्काइन की एक यूनिट की कीमत 50 हजार डॉलर के पार चली गई थी। करीब साल भर पहले इसकी एक यूनिट की कीमत 10 हजार डॉलर थी। इस महीने बिटक्काइन की कीमत में 58 फीसदी उछाल आया है। हालांकि, बिटक्काइन में बड़ी उछाल के बीच कुछ विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि यह उछाल अनिश्चित हो सकती है।

टेस्ला के निवेश करते ही बिटक्वाइन की उड़ान जारी

इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली अमेरिकी कंपनी टेस्ला समेत कई कंपनियों ने बिटक्काइन को डिजिटल करेंसी के तौर पर मंजूरी दे दी है। टेस्ला के अलावा दिग्गज इंश्योरंस कंपनी मास-म्यूचुअल, ऐसेट मैनेजर गैलेक्सी डिजिटल होल्डिंग, ट्विटर के सीईओ जैक डोरसी की पेमेंट कंपनी स्क्वॉयर ने भी बिटक्काइन में बड़ा निवेश किया है, जिसके कारण इसकी कीमतें आसमान छू रही हैं।

बिटक्वाइन का एक्सेस उपलब्ध कराएगा ब्लू रिज बैंक ऑफ शर्लोविला

टेस्ला ने पिछले हफ्ते कहा था कि कंपनी अपनी निवेश रणनीति के तौर पर बिटक्वाइन में 1.5 अरब डॉलर की खरीदारी कर रही है। साथ ही कहा था कि कंपनी जल्द ही अपने प्रोडक ट्स की खरीदारी पर बिटक्वाइन के जरिए भुगतान को जल्द मंजूरी देने की योजना पर काम कर रही है। इससे बिटक्वाइन में तेज उछाल दर्ज किया गया। इसके बाद वर्जीनिया के ब्लू रिज बैंक ऑफ शर्लोविला ने कहा कि वह पहला कमर्शियल बैंक बनेगा, जो अपनी शाखाओं पर बिटक्वाइन का एक्सेस उपलब्ध कराएगा।

आईफोन के बाद आईपैड भी भारत में बनाएगी Apple, चीन से कारोबार शिफ्ट करने की तैयारी में कंपनी

बिजनेस डेस्कः

उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का मेक इन इंडिया अभियान पर व्यापक असर दिखने लगा है। अमेरिकी स्मार्टफोन निर्माता कंपनी एप्पल भी योजना के तहत भारत में आईपैड बनाने की तैयारी कर रही है। कंपनी चीन से अपना कारोबार शिफ्ट करना चाहती है और सरकार से प्रोत्साहन लेने पर विचार कर रही है। एप्पल के सूत्रों ने बताया कि स्मार्टफोन निर्यात को बढ़ावा देने के लिए शुरू हुई पीएलआई योजना में भारत सरकार ने करीब 50 हजार करोड़ का प्रोत्साहन देने का ऐलान किया है। एप्पल भी इसका लाभ उठाना चाहती है और चीन पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता फॉक्सकान के जरिये भारत में आईपैड विनिर्माण की तैयारी में है। इसके लिए शुरुआती निवेश 20 हजार करोड़ हो सकता है। चीन और अमेरिका के साथ जारी व्यापार युद्ध और कोविड-19 महामारी के बाद कंपनी ने रणनीति में बदलाव किया है। अभी एप्पल के ज्यादातर आईपैड का उत्पादन चीन में होता है, जबकि लैपटॉप वियतनाम में बनता है। एप्पल 2017 से आईफोन का असेंबल भारत में कर रही है।

स्मार्टवॉच उत्पादन को भी मिलेगा बढ़ावा

पीएलआई योजना के तहत सरकार अगले दो महीने में स्मार्टवॉच जैसे पहने जाने वाले उत्पादों को भी शामिल करने की तैयारी में है। इसके लिए 5 हजार करोड़ का शुरुआती फंड जारी हो

सकता है। सरकार ने एप्पल से कहा है कि भारत में आईपैड विनिर्माण गैर चीनी कंपनी के साथ मिलकर किया जा सकता है। एप्पल के देश में तीन सहयोगी हैं, फॉक्सकान, विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन।

बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के आचारण को लेकर काफी चिंताः गोयल

नयी दिल्ली, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी कंपनियों समेत बड़ी प्रौद्योगिकी इकाइयों के आचरण को लेकर काफी चिंताएं है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी नीतियों को संरक्षित करना चाहेगा। मंत्री ने इस बात पर चिंता जताई कि ये कंपनियां के देश के कानून का पालन नहीं करना चाहती हैं। गोयल ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ डिजिटल कारोबार के क्षेत्र में रिश्तों को आगे बढ़ाने को लेकर गंभीर है लेकिन हम आंकड़ों की निजता के मामले में भारत के लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को लेकर सजग हैं। उन्होंने कहा कि भारत इस बात को लेकर चिंतित है कि बड़ी कंपनियों के पास भारतीय नागरिकों के बहुत सारे आंकड़े हैं और वे उन आंकड़ों का उपयोग प्रायः अपने विभिन्न क्षेत्रों में करते हैं। मंत्री ने अमेरिका-भारत व्यापार परिषद (यूएसआईबीसी) को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''यह अहम है कि बड़ी अमेरिकी कंपनियों को भारत और उसके कानून के पालन को लेकर जवाबदेह बनाने के लिये यूएसआईबीसी जैसे संगठन महत्वपूर्ण भूमिका निभायें...अगर ऐसा नहीं होता है तो डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने में यह बाधा बन सकता है।''

आयकर विभाग ने आंध्र प्रदेश में छापा मारकर 160 करोड़ रुपए से अधिक अघोषित आय का पता लगाया

नई दिल्लीः

आयकर विभाग ने आंध्र प्रदेश की एक कंपनी के परिसरों की तलाशी में 160 करोड़ रुपए से अधिक की अघोषित आय का पता लगाया है। एलुरु का यह कारोबारी समूह फिल्म फाइनेंस और वितरण समेत अन्य कारोबार से जुड़ा है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह तलाशी 28 जनवरी को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कंपनी के 21 जगहों पर स्थित परिसरों में ली गई। सीबीडीटी ने एक बयान में कहा, ''इस तलाशी कार्रवाई की सबसे बड़ी सफलता यह है कि एलुरु और राजमहेन्द्रवरम जैसे जगहों से बड़ी मात्रा में अवैध नकदी और सोने का पता चला है। बयान के अनुसार, ''तलाशी अभियान के जरिए 161 करोड़ रुपए के अघोषित वित्तीय लेन-देन से संबंधित साक्ष्य का पता चला है। यह अघोषित लेन-देन साल 2016-17 से 2019-20 के दौरान किए गए हैं जो कि कर योग्य लेन-देन हैं। इसमें कहा गया है कि इस कार्रवाई के दौरान कुल 17.68 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है। जिसमें 14.26 करोड़ रुपए नकदी, 3.42 करोड़ रुपए के सोने के आभूषण, सोना और चांदी शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि तलाशी अभियान के दौरान, हाथ से लिखी गई किताबें, विभिन्न सौदों के समझौते और ऐसे दस्तावेज जब्त किए गए हैं, जिसमें अघोषित लेन-देन की जानकारी मिली है। मामले में आगे जांच जारी है।

GST के 2 टैक्स स्लैब को मर्ज करने के पक्ष में सरकार, जानें कौन से हो सकते हैं मर्ज

बिजनेस डेस्कः

जल्द ही वस्तु एवं सेवा कर (**GST**) के 2 टैक्स स्लैब आपस में मर्ज हो सकते हैं। वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार **GST** के 12 फीसदी टैक्स स्लैब और 18 फीसदी टैक्स स्लैब को मर्ज करने के पक्ष में है यानी इन दोनों के बदले आने वाले समय में एक ही **GST** स्लैब होगा। वित्त मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि मार्च में होने वाली **GST** काउंसिल की बैठक में राज्यों की इनडायरेक्ट टैक्स बॉडी के साथ इस मुद्दे पर चर्चा हो सकती है। आपको बता दें कि कुछ राज्यों का तरफ से इन दोनों टैक्स स्लाब को मर्ज करने की मांग काफी समय से की जा रही है और 15वें वित्त आयोग ने भी इसकी सिफारिश की है। देश में अभी **GST** के 4 प्राइमरी स्लैब हैं। इनमें 5%, 12%, 18% और 28% का प्राइमरी स्लैब अलग-अलग वस्तुओं और सेवाओं के लिए है। वहीं, कीमती पत्थरों और मेटल्स पर 0.25% और 3% का स्पेशल **GST** स्लैब भी है। वहीं, लग्जरी और डीमेरिट गूड्स जैसे ऑटोमोबाइल, तंबाकू और **aerated drinks** पर सेस (**Cess**) भी लगता है।

ये वस्तुएं हो जाएंगी महंगी, ये होंगी सस्ती

EY India के टैक्स पार्टनर अभिषेक जैन ने कहा कि केंद्र सरकार ने जब 17 अलग-अलग टैक्स को **GST** में मर्ज कर दिया था तब यह सोचा गया था कि इससे केंद्र और राज्यों को मिलने वाले रेवेन्यू पर कोई असर नहीं पड़ेगा। लेकिन बार-बार **GST** रेट्स में कटौती के कारण टैक्स रेवेन्यू घटा है और टैक्स स्लाब में यह रिविजन इसी कमी को पूरा करने के लिए किया जा रहा है। जब 12% और 18% के स्लैब मर्ज हो जाएंगे तो **GST** रेट इन दोनों के बीच में रखा जा सकता है। इससे 12% के ब्रैकेट में आने वाले प्रोडक्ट्स महंगे हो जाएंगे और 18% ब्रैकेट वाले सस्ते होंगे। अगर सरकार इस प्रस्ताव को मंजूर कर लेती है तो घी, बटर, चीज जैसी चीजें महंगी हो जाएंगी, वहीं साबुन, किचनवेयर जैसे प्रोडक्ट्स सस्ते हो जाएंगे।

कैट ने भारत में अमेजन के ई-वाणिज्य गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की

नई दिल्लीः व्यापरियों का संगठन कैट ने बृहस्पतिवार को सरकार से अमेजन की ई-वाणिज्य पोर्टल और उसके भारत मे परिचालन पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। संगठन ने भारी छूट और माल भंडार पर नियंत्रण के जरिए वैश्विक ई-वाणिज्य कंपनी पर बाजार खराब करने वाली कीमत व्यवस्था में शामिल होने का आरोप लगाया। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने अमेजन के पोर्टल और भारत में उसके कामकाज पर तत्काल पाबंदी लगाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने कंपनी के खिलाफ समयबद्ध तरीके से जांच करने का भी अनुरोध किया उन्होंने सरकार से अमेजन और फ्लिपरकार्ट की कारोबारी गतिविधियों की जांच करने का भी आग्रह किया। हालांकि इस बारे में अमेजन और फ्लिपकार्ट दोनों ने कहा कि वे भारतीय कानून के हिसाब से काम कर रहे हैं। कान्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने बृहस्पतिवार को इस संदर्भ में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को पत्र भी लिखा। कैट ने गोयल को लिखे पत्र में कहा है, ''हमारा संगठन आपके कार्यालय से एफडीआई नीति और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम/नियमों के उल्लंघन और /खामियों का लाभ उठाकर उसका दुरूपयोग करने के लिए अमेजन और फ्लिपकार्ट (वॉलमार्ट) जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की जांच करने और दंडित करने अनुरोध करता रहा है।''

RBI ने बढ़ते फ्रॉड के चलते जारी की नई गाइडलाइन, डिजिटल पेमेंट के नियमों को किया और सख्त

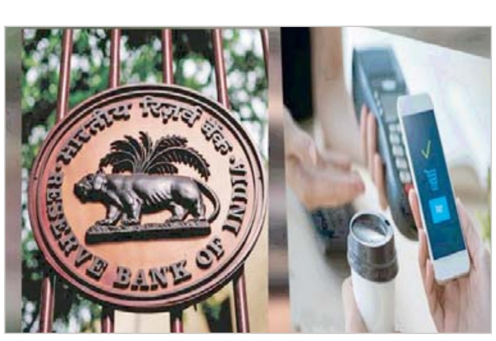

मुंबईः

ऑनलाइन फ्रॉड के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (**RBI**) ने पेमेंट सिक्योरिटी के नियमों को और कड़ा कर दिया है। आरबीआई ने डिजिटल पेमेंट के सिक्योरिटी कंट्रोल के मामले में बैंकों व अन्य रेगुलेटेड एंटिटीज को थर्ड पार्टी द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले पेमेंट ऐप्स के लिए और जिम्मेदार बनाते हुए एक नया निर्देश जारी किया है। इसमें कॉमन मिनिमम स्टैंडर्ड्स रखे गए हैं। अब डिजिटल ट्रांजेक्शन के लिए थर्ड पार्टी ऐप्स का इस्तेमाल लेने वाले बैंकों को एस्क्रो में ऐप्स का सोर्स कोड भी रखना होगा। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है अभी कि ये केवल बैंक के उन प्रोपराइटरी ऐप्स पर लागू होगा, जिन्हें थर्ड पार्टी ने बनया है या फिर सभी थर्ड पार्टी ऐप्स पर। **RBI** के नए 21 पेज के मास्टर सर्कुलर के निर्देशों के मुताबिक, अब बैंकों को अपने डिजिटल पेमेंट ऐप्स के सोर्स कोड के रिव्यू, वलनरेबिलिटी असेसमेंट और पेनीट्रेशन टेस्टिंग समेत सिक्योरिटी टेस्टिंग करनी होगी। ऐसा इसलिए ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि ऐप ट्रांजेक्शंस के लिए सुरक्षित हैं और डाटा की गोपनीयता व इंटीग्रिटी को बरकरार रखते हैं।सभी रेगुलेटेड एंटिटीज को अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय बैंक ने 6 माह का वक्त दिया है। **RBI** का मास्टर डायरेक्शन इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल पेमेंट्स, कार्ड पेमेंट्स, कस्टमर प्रोटेक्शन और ग्रीवांस रिड्रेसल मैकनिज्म के लिए दिशा निर्देश देता है। यह पहली बार है, जब **RBI** ने डिजिटल पेमेंट्स के ऑपरेशनल पार्ट में दखल दिया है। इससे पहले केन्द्रीय बैंक नियमों को तय करने की जिम्मेदारी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (**NPCI**) पर छोड़ देता था।

UPI के मामले में भी हुए लागू तो व्यापक होंगे प्रभाव

अभी अगर थर्ड पार्टी अनरेगुलेटेड एंटिटी की ओर से कोई डाटा लीक होता है या सेंधमारी होती है तो उसके लिए बैंक जिम्मेदार होते हैं। बैंकर्स का कहना है कि अगर ये नए नियम **UPI (Unified Payment Interface)** के लिए थर्ड पार्टी ऐप्स पर लागू हुए तो प्रभाव व्यापक होंगे। **UPI** पेमेंट्स के मामले में बाजार पर इस वक्त गूगल पे (**GPay**), फोनपे (**PhonePe**), अमेजन पे (**Amazon Pay**) जैसे थर्ड पार्टी ऐप्स का कब्जा है। अब तो वॉट्सऐप (**WhatsApp**) की भी पेमेंट सर्विस देश में शुरू हो चुकी है तो वह भी डिजिटल पेमेंट में बड़ी पारी खेलने की तैयारी में है।

मंदी के समय निजीकरण का खयाल डरावनाः प्रणब सेन

नयी दिल्ली, भारत के सांख्यिकी विभाग के पूर्व प्रमुख प्रणब सेन ने बुधवार को कहा कि मंदी के दौर में केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों (सीपीएसई) के निजीकरण का विचार एक 'डरावना विचार है।'उन्होंने कहा कि यह इसलिए गलत समय है क्योंकि इससे मौजूदा जरूरतों को पूरा करने की वित्तीय क्षेत्र की क्षमता और कम हो जाती है। उद्योग मंडल पीएचडी द्वारा आयोजित एक चर्चा में सेन ने यह भी कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2021-22 के अपने बजट भाषण में रोजगार शब्द का उल्लेख एक बार भी नहीं किया। उन्होंने कहा कि निजीकरण के लिए सबसे अच्छा समय वह है जब अर्थव्यवस्था तेजी पर हो, '' मंदी में निजीकरण का ख्याल डरावना है।'' गौरतलब है कि सरकार ने बजट में अगले वित्त वर्ष के दौरान विनिनवेश और निजीकरण से 1.75 लाख करोड़ रुपए के संसाधन जुटाने का लक्ष्य रखा है । वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में अगले वित्त वर्ष में सरकारी क्षेत्र के दो बैंकों और एक साधारण बीमा कंपनी को बेचने की भी घोषणा की है। पर बजट भाषण में उनके नाम नहीं बताए गए हैं। सेन ने कहा, ''कहने का मतलब यह है कि जो समय चुना गया है वह गलत है क्योंकि इससे वित्तीय क्षेत्र की वैध वास्तविक जरूरत को पूरा करने की क्षमता और घट जाएगी।

सोने-चांदी की कीमतों में जबरदस्त गिरावट, अब तक 10000 रुपए सस्ता हुआ Gold

बिजनेस डेस्कः

भारतीय बाजार में शुक्रवार को सोने-चांदी की कीमतों में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली, ये लगातार छठवां दिन है जब सोने कीमत में कमी आई। एमसीएक्स पर, सोने का वायदा 0.2 फीसदी फिसलकर 46145 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जो 8 महीनों का सबसे निचला स्तर है। जबकि चांदी वायदा 1 फीसदी गिरकर 68,479 रुपए प्रति किलो पर आ गई। अगस्त 2020 में सोना 56,200 रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। तब से अब तक सोना करीब 10000 रुपए सस्ता हो चुका है। गुरुवार को **MCX** पर सोने का अप्रैल वायदा 100 रुपए से ज्यादा गिरकर 46126 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वैश्विक बाजारों में, सोने की कीमत लगभग 0.4 फीसदी गिरकर 1,769.03 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।

चांदी की कीमतें

चांदी की कीमतों में भी शुक्रवार को मामूली कमी दर्ज की गई। सर्राफा बाजार में आज चांदी 68,479 रुपए प्रति किलो पर आ गई। वैश्विक बाजारों में चांदी 1.1 फीसदी घटकर 26.71 डॉलर प्रति औंस रह गई। अन्य कीमती धातुओं में प्लेटिनम 2.4% फिसलकर ,1,244.19 पर पहुंच गया, जबकि पैलेडियम 0.7त्न की छलांग लगाकर 2,334.58 हो गया। इस साल सोना पिछले कुछ माह में 10 हजार रुपए सस्ता हो चुका है। कोरोना संकट में यह 55 हजार रुपए के स्तर पर पहुंच गया था। विशेषज्ञों का कहना

है कि कोरोना का टीका लगने की शुरुआत के बाद से सोने की कीमतों में गिरावट जारी है। टीका लगने के बाद आर्थिक गतिविधियों के तेजी से रफतार पकड़ने की उम्मीद है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोना-चांदी खरीदना चाहते हैं तो ये सही वक्त हो सकता है।

भारत केयर्न मध्यस्थता फैसले के खिलाफ अपील करेगाः सूत्र

नई दिल्लीः

भारत सरकार कराधान के अपने संप्रभु अधिकारों के लिए केयर्न मध्यस्थता फैसले के खिलाफ अपील दायर कर सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने अपने फैसले में केयर्न को हुए नुकसान की भरपाई के लिए भारत सरकार से 1.4 अरब डॉलर देने को कहा है। न्यायाधिकरण ने दिसंबर में सर्वसम्मति से फैसला सुनाया था कि भारत ने 2014 में ब्रिटेन-भारत द्विपक्षीय निवेश संधि के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन कर 10,247 करोड़ रुपए का कर लगाया था। सूत्रों ने कहा कि सरकार न्यायाधिकरण के फैसले के खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है और उसका मानना है कि मध्यस्थता न्यायाधिकरण किसी राष्ट्र के कराधान के संप्रभु अधिकारों पर सवाल नहीं उठा सकता।

सूत्रों ने कहा कि सरकार केयर्न एनर्जी द्वारा विभिन्न अन्य अंतरराष्ट्रीय अदालतों में दायर मुकदमों में पूरी ताकत से लड़ेगी। सूत्रों ने कहा कि केयर्न के साथ किसी भी विवाद का समाधान मौजूदा कानूनों के तहत ही होगा। एडिनबर्ग स्थित कंपनी ने पिछले महीने भारत सरकार को लिखा था कि रेट्रोस्पेक्टिव करों पर मुकदमा हारने के बाद यदि सरकार 1.4 अरब डॉलर का भुगतान करने में विफल रहती है, तो कंपनी भारत सरकार की परिसंपत्तियों को जब्त करने के लिए मजबूर हो सकती है। ब्रिटेन की कंपनी केयर्न एनर्जी पीएलसी के मुख्य कार्यकारी साइमन थॉमसन ने इस मुद्दे के जल्द समाधान के लिए गुरुवार को शीर्ष वित्त मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात की थी। थॉमसन ने वित्त सचिव अजय भूषण पांडे, सीबीडीटी के अध्यक्ष पी सी मोदी और अन्य कर अधिकारियों से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, ''हमारे बीच रचनात्मक बातचीत हुई और बातचीत जारी है।%% बैठक में क्या बातचीत हुई, इस बारे में उन्होंने किसी टिप्पणी से इनकार किया।

नौकरी करने वालों के लिए अच्छी खबर! इस साल 92% कंपनियां बढ़ा सकती हैं वेतन

बिजनेस डेस्कः

नौकरीपेशा कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है। कंपनियां इस साल वेतन में अच्छी हाइक देने के मूड में हैं। महामारी के बाद कारोबारी गतिविधियों में उम्मीद से अधिक तेजी से सुधार और उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ने के चलते कंपनियां कर्मचारियों के वेतन में औसतन 7.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकती हैं। डेलॉयट टच तोहमात्सु इंडिया एलएलपी द्वारा कार्यबल एवं वेतन बढ़ोतरी के रुझानों के लिए किए गए 2021 के पहले चरण के सर्वेक्षण में पाया गया कि इस साल वेतन में औसत बढ़ोतरी 2020 के 4.4 प्रतिशत से अधिक लेकिन 2019 के 8.6 प्रतिशत से कम रहेगी।

92% कंपनियां बढ़ाएंगी वेतन

इस साल सर्वेक्षण में शामिल होने वाली 92 फीसदी कंपनियों ने वेतन बढ़ोतरी की बात कही, जबकि पिछले साल सिर्फ 60 फीसदी ने ऐसा कहा था। सर्वेक्षण दिसंबर 2020 में शुरू हुआ और इसमें सात क्षेत्रों तथा 25 उप क्षेत्रों की करीब 400 कंपनियां शामिल हुईं। सर्वेक्षण में कहा गया कि भारत में औसत वेतन बढ़ोतरी 7.3 फीसदी रहने की उम्मीद है, जो 2020 के 4.4 फीसदी से अधिक है।

कंपनियों ने वेतन बढ़ोतरी के लिए अपने बजट को बढ़ाया

आर्थिक गतिविधियों में उम्मीद से अधिक तेजी से सुधार, उपभोक्ता विश्वास में बढ़ोतरी तथा बेहतर मार्जिन के चलते कंपनियों ने वेतन बढ़ोतरी के लिए अपने बजट को बढ़ाया है। नजीतों के मुताबिक 20 फीसदी कंपनियों ने इस साल दो अंकों में वेतन बढ़ोतरी की योजना बनाई है, जबकि 2020 में यह आंकड़ा सिर्फ 12 फीसदी था। सर्वेक्षण के मुताबिक जिन कंपनियों ने पिछले साल वेतन बढ़ोतरी नहीं की थी, उनमें से एक-तिहाई इस साल अधिक बढ़ोतरी या बोनस के रूप में उसकी भरपाई करने की तैयारी कर रही हैं।

इन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा वेतन वृद्धि के आसार

सर्वे के मुताबिक, लाइफ साइंसेज और आईटी सेक्टर में सबसे अधिक वेतन वृद्धि हो सकती है। वहीं मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर्स अपेक्षाकृत कम वेतन वृद्धि की पेशकश कर सकते हैं। लाइफ साइंसेज अकेला ऐसा क्षेत्र होगा जहां 2019 के स्तर के बराबर वृद्धि मिलेगा। इसके साथ ही डिजिटल और ई-कॉमर्स कंपनियां दो अंक में औसत वृद्धि की पेशकश कर सकती हैं।

म्यूचुअल फंडों में बिकवाली, फिर भी SIP की चमक बरकरार

बिजनेस डेस्कः

घरेलू शेयर बाजार नई ऊंचाई पर पहुंचने के बाद ठंडा पड़ता दिख रहा है। मगर सिप में निवेशकों की दिलचस्पी बनी हुई है। म्यूचुअल फंडों की संस्था एम्फी के अनुसार, जनवरी 2021 में नए सिप खातों की संख्या 16.4 लाख के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। यह लगातार दूसरा महीना है, जब सिप खातों की संख्या में तेजी बनी हुई है। इससे पहले जनवरी 2018 में 12.9 लाख सिप खाते खोले गए थे। बीते दो महीनों में नए सिप खातों का रोलिंग औसत 30.7 लाख रहा, जबकि बीते चार साल में औसतन 18 लाख सिप खाते खुले हैं।

सिप खातों की तेजी से बढ़ रही संख्या ने सिप रोकने (सिप स्टोपेज) के अनुपात को जनवरी में 0.47 पर ला दिया है, जो बीते 28 महीनों में सबसे अधिक है। यह नए खुले सिप खातों और पुराने बंद हुए खातों का अनुपात दिखाता है। मई 2020 में यह 0.81 गुना के शिखर पर था। जनवरी 2021 में नेट आधार पर 8.7 लाख खाते जुड़े, जो बीते तीन साल में सबसे अधिक है। जनवरी के अंत तक कुल सिप खातों की संख्या 3.6 करोड़ तक पहुंच गई। यह आंकड़े तब सामने आ रहे हैं, जब म्यूचुअल फंडों से सात महीनों से निकासी हो रही है। इस दौरान कुल 42,257 करोड़ रुपए की निकासी हुई है। एक प्रमुख एसेट मैनेजमेंट कंपनी के मार्केटिंग प्रमुख ने कहा कि ब्याज दरों में कमी और निवेशकों के बढ़ते भरोसे के चलते सिप खातों की संख्या बढ़ी है। म्यूचुअल फंड निवेशकों की खर्च योग्य आय बेहतर करने का माद्दा रखते हैं। अप्रैल 2020 से लगातार आठ महीनों तक सिप की संख्या घटी थी। मगर दिसंबर से रुख बदल गया। बीते दो महीनों से सिप से निवेश 8,000 करोड़ रुपए के ऊपर बना हुआ है। सिप के जरिए स्कीमों की एयूएम 3.9 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है, जो पूरी इंडस्ट्री के एयूएम का 12.8 फीसदी है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्व तेज गेंदबाज चामिंडा वास बने श्रीलंका के नए गेंदबाजी कोच

कोलंबो । श्रीलंका के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज चामिंडा वास श्रीलंका के नए गेंदबाजी कोच बने हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने आगामी वेस्ट इंडीज दौरे से पहले शुक्रवार को यह घोषणा की। डेविड सकर के निजी कारणों से गेंदबाजी कोच के पद से इस्तीफा देने के बाद वास को नियुक्त किया गया है। सकर को 2019 में यह पद दिया गया था। वास इससे पहले श्रीलंका के हाई-परफॉरमेंस सेंटर में तेज गेंदबाजी कोच के रूप में कार्यरत थे। वास ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 111 मैचों में 355 टेस्ट विकेट और 322 मैचों में 400 एकदिवसीय विकेट लिए हैं। श्रीलंका को तीन मार्च से होने वाले विंडीज दौरे में में तीन टी-20, तीन वनडे और दो टेस्ट खेलने हैं। सभी मैच एंटिगा में दर्शकों के बिना खेले जाएंगे।

आईएसएल-7

जमशेदपुर के लिए करो या मरो, मुंबई की नजरें टॉप पर पहुंचने पर

गोवा।

जमशेदपुर एफसी के लिए हीरो इंडियन सुपर (आईएसएल) के सातवें सीजन में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की संभावना कम हो गई है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए जमशेदपुर को अब अपने बचे दोनों लीग चरण के मैच जीतने होंगे और साथ ही उसे ये भी दुआ करनी होगी कि अन्य चार टीमें टॉप-4 की रेस के दौरान अंक गवाएं। हालांकि इसकी संभावना बहुत कम है। कोच ओवेन कॉयले की जमशेदपुर को अब अपना अगला मुकाबला शनिवार को वॉस्को के तिलक मैदान स्टेडियम में लीग के 100वें मैच में मुंबई सिटी एफसी के साथ खेलना है, जहां टीम जीत से कम कुछ भी नहीं चाहेगी। गोल ही टीम को मैच जिताता है, लेकिन जमशेदपुर एफसी ऐसा करने में विफल रही है। पूरे लीग के दौरान उनकी अटैकिंग में अनिरंतरता देखने को मिली है। जमशेदपुर ने पिछले छह मैचों में केवल तीन ही गोल किए हैं। कॉयले ने जोर देकर कहा है कि टीम के लिए उम्मीद के अनुरूप परिणाम हासिल करने का प्रयास करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, हम गोल करने के लिए विभिन्न खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं रह सकते। हमें गोल करने के लिए विभिन्न एरिया की जरूरत है और हमें इस पर काम जारी रखने की जरूरत है। टॉप-4 में पहुंचने की किसी भी संभावना को बरकरार रखने के लिए जमशेदपुर को अब अपने अंतिम दोनों मैचों में अधिक से अधिक अंक लेने की जरूरत है और इसकी शुरूआत उसे मुंबई के खिलाफ होने वाले मैच से करनी होगी। कॉयले ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हम मजबूती के साथ सीजन को फिनिश करें। 27 अंक तक पहुंचने के लिए हमें छह अंक लेने होंगे। बाकी तीन टीमें भी टॉप-4 में पहुंचने के लिए 27 अंकों के लिए लड़ रही है। हमारे पास उस अंक तक पहुंचने के लिए मौके हैं। हमें अभी बेंगलुरू एफसी से भी खेलना है, जो कि हमसे आगे है। इन मैचों में हमें पूरे अंक लेने होंगे। दूसरी तरफ, 34 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर काबिज मुंबई इस मैच को जीतकर फिर से टॉप पर पहुंचना चाहेगी। एटीके मोहन बागान अभी 36 अंकों के साथ टॉप पर है। मुंबई सिटी एफसी के कोच सर्जियो लोबेरा की टीम को पिछले मैच में बेंगलुरू से हार मिली थी। टीम पिछले पांच मैचों में से केवल एक ही जीत पाई है। लोबेरा का कहना है कि उनकी टीम को कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है। लोबेरा ने कहा, मुझे लगता है कि हमें मैच के कुछ क्षेत्रों में हमेशा सुधार जारी रखना चाहिए। हमारे पास गोल करने के कई मौके थे।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम जानते हैं कि हम सुधार कर सकते हैं। हमें अब आगे आने वाले मैचों पर ध्यान देने की जरूरत है। अगर आपको मैच जीतना है तो आपको एक टीम के रूप में खेलना होगा।

भारतीय मुक्केबाजों का बोलबाला, एड्रियाटिक पर्ल टूर्नामेंट में 12 पदक पक्के किए

नई दिल्ली ।

एशियाई युवा स्वर्ण पदकधारी बेबीरोजिसाना चानू (51 किग्रा) और विंका (60 किग्रा) ने मोंटेनेग्रो के बुदवा में 30वें एड्रियाटिक पर्ल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्के कर लिए। मणिपुर की चानू एमसी मैरीकोम अकादमी में ट्रेनिंग करती हैं, उन्होंने शुरू से ही बुल्गारिया की जार्जिवा ब्लागोवेस्टा पर दबदबा बनाया जिससे रैफरी को पहले राउंड में ही मुकाबला रोकना पड़ा। अब वह सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान की फेरूजा काजाकोवा से भिड़ेंगी। विंका ने क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान की सेवारा एशुरोवा के खिलाफ आक्रामक प्रदर्शन किया। यह युवा मुक्केबाज सेमीफाइनल में अब फिनलैंड की सुवी तुजुला के सामने होंगी। एशिया की 2018 में सर्वश्रेष्ठ महिला जूनियर मुक्केबाज अरूधंती चौधरी (69 किग्रा) ने भी शानदार तरीके से अपना अभियान शुरू किया और फिनलैंड की एवेलिना तैमी को 5-0 से हराकर कांस्य पदक पक्का कर लिया। हालांकि भारतीय पुरूषों के लिये दिन कठिन रहा। अराम्बाम नाओबा सिंह (52 किग्रा), सुमित (69 किग्रा) और

विशाल गुप्ता (91 किग्रा) गुरूवार को अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला हार गये। जुगनू (91 किग्रा से अधिक) वाकओवर की बदौलत सेमीफाइनल में पहुंच गये। महिला मुक्केबाजों में नेहा (54 किग्रा) और सनामाचा चानू थोकचोम (75 किग्रा) फाइनल में पहुंचने की दौड़ में हैं। अलफिया पठान (81 किग्रा से अधिक) स्वर्ण पदक के लिए मोलदोवा की दारिया कोजोरेव से भिड़ेंगी। प्रीति (57 किग्रा) और लकी राणा (64 किग्रा) भी सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं जबकि गीतिका (48 किग्रा) और राज साहिबा (75 किग्रा) अपने वर्गों के फाइनल खेलेंगी। पुरूषों में प्रियांशु डबास (49 किग्रा) और जुगनू (91 किग्रा से अधिक) ने कम से कम कांस्य पदक सुनिश्चित कर लिये हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : मर्टेंस और सबालेंका बनीं महिला युगल चैम्पियन

मेलबन. दूसरी सीड बेल्जियम की एलिसे मर्टेंस और बेलारूस की अरिना सबालेंका की जोड़ी ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के महिला युगल वर्ग का खिताब जीत लिया। मर्टेंस और सबालेंका ने फाइनल में चेक गणराज्य की तीसरी सीड जोड़ी बारबोरा क्रेजिक्कोवा और काटेरिना सिनिआकोवा को हराया। टूर्नामेंट की आधिकारिक वेबसाइट - एयूएसओपन डॉट कॉम के अनुसार, मर्टेंस और सबालेंका ने एक घंटे 19 मिनट तक चले मुकाबले में क्रेजिक्कोवा और सिनिआकोवा को लगातार सेटों में 6-2, 6-3 से हराकर महिला युगल का खिताब जीता। मर्टेंस और सबालेंका ने मुकाबले में पांच एस और क्रेजिक्कोवा और सिनिआकोवा ने एक एस लगाया। मर्टेंस और सबालेंका की जोड़ी ने मैच में दो जबकि क्रेजिक्कोवा और सिनिआकोवा की जोड़ी ने चार बेजां भूलें कीं।

'ट्राइडैंट क्रिकेट कप 2021 : होशियारपुर ने फाइनल में मुक्तसर को हराया

बरनाला, (विवेक सिंधवानी, गोयल) ।

ट्राइडैंट क्रिकेट कप 2021 शानो-शौकत के साथ सम्पन्न हुआ। यह टूर्नामैंट कई मीठी यादें छोड़ गया। फाइनल मुकाबला होशियारपुर और मुक्तसर की टीम के बीच ट्राइडैंट फैक्ट्री संघेड़ा में खेला गया। होशियापुर की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 34 ओवरों में 224 रन बनाए। जिस में हैप्पी कुलवीर ने शानदार अर्ध शतक जड़ा। उन्होंने 49 गेंदों में 53 रन की शानदार पारी खेली। उनका साथ कर्मदीप ने बखूबी निभाया। उन्होंने 40 गेंदों में 43 रनों की पारी खेली। मुक्तसर की टीम की तरफ से अमनदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 7 ओवरों में 4 विकेट हासिल की। जवाब में मुक्तसर की टीम 34 ओवरों में 180 रन ही बना सकी और 44 रनों पर वह मैच हार गई। मुक्तसर की तरफ से ध्रुव वर्मा ने 25 रन और अमनदीप सिंह ने 24 रनों की पारी खेली। होशियारपुर की टीम की तरफ से करन सैनी और अशीष घई ने 3-3 विकेट हासिल की। शानदार गेंदबाजी करने के लिए अशीष घई को मैन आफ का मैच घोषित किया गया। मुख्य मेहमान डिप्टी कमिश्नर तेज प्रताप सिंह फुलका ने विजेता खिलाडियों को इनाम बांटे। होशियारपुर की टीम को टूर्नामैंट जीतने के लिए शानदार ट्राफी और डेढ़ लाख रुपए का नगद इनाम दिया गया और रनरअप मुक्तसर की टीम को ट्राफी और एक लाख रुपए का इनाम दिया गया। तीसरे स्थान पर रहने वाली बठिंडा की टीम को 50 हजार रुपए का इनाम दिया गया। मैन आफ का टूर्नामैंट उदय प्रताप सिंह बठिंडा ने हासिल किया। ट्राईडैंट ग्रुप की तरफ से अलग-अलग जिलों के डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। जिस में लुधियाना, बठिंडा, जालंधर, अमृतसर, फरीदकोट, फिरोजपुर, संगरूर, बरनाला और अन्य पंजाब भर से डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों को ट्राफी देकर

सम्मानित किया गया। इस मौके मुख्य मेहमान डी.सी. तेज प्रताप सिंह फुलका ने कहा कि ट्राइडैंट ग्रुप के चेयरमैन और पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के प्रधान रजिन्दर गुप्ता का यह कदम बहुत ही प्रशांसनीय है कि उन्होंने क्रिकेट खिलाडियों को आगे बढने का एक प्लेटफार्म दे दिया। कपिल देव, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, महेन्द्र सिंह धोनी पहले गलियों में क्रिकेट खेलकर ही आगे बढ़े हैं। इस मौके अंत राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी भुपिन्दर सिंह भी विशेष तौर पर फाइनल मैच देखने के लिए पहुंचे हुए थे।

संक्षिप्त समाचार

विश्व कॉर्पोरेट शतरंज चैंपियनशिप - भारत से निहाल प्रग्गानंधा आएंगे नजर

नई दिल्ली (निकलेश जैन) वैसे तो धीरे धीरे ऑन द बोर्ड टूर्नामेंट शुरू हो चुके है पर अभी भी विश्व शतरंज संघ लगातार अलग अलग विश्व शतरंज चैंपियनशिप लगातार ऑनलाइन आयोजित कर रहा है । इसी क्रम मे अब फीडे कॉर्पोरेट विश्व शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है । प्रतियोगिता मे दुनिया भर की 288 कॉर्पोरेट संस्थानो की टीम भाग ले रही है । साथ ही इस प्रतियोगिता के साथ विश्व शतरंज संघ दिव्यांग और वृद्ध शतरंज खिलाड़ियों की सहायता के लिए फंड भी एकत्रित कर रही है । हालांकि आपको बता दे की प्रतियोगिता मे नॉर्वे के विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन ,रूस के इयान नेपोंनियची ,नीदरलैंड के अनीश गिरि जैसे बड़े नाम पुरुष वर्ग मे तो महिला वर्ग मे बुल्गारिया की एंटोनिया स्टेफ़नोवा और उक्रेन की मारिया मुजयचूक खेलते नजर आएंगी । भारत के विभिन्न संस्थानो की ओर युवा ग्रांड मास्टर निहाल सरीन ,प्रग्गानंधा और आर वैशाली नजर आएंगी जबकि ग्रांड मास्टर श्रीराम झा , इंटरनेशनल मास्टर दिनेश शर्मा , समीर कुलकर्णी और चिन्मय कुलकर्णी भी प्रतिभागिता करेंगे ।

क्रिकेट में मानसिक स्वास्थ्य पर जागरुकता बढ़ते देखना चाहता हूं : कोहली

नई दिल्ली। भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली का कहना है कि वह क्रिकेट में मानसिक स्वास्थ्य पर और भी जागरुकता बढ़ते देखना चाहते हैं। कोहली ने कहा कि वह 2014 में इंग्लैंड में भारत की टेस्ट सीरीज के बाद वह डिपरेशन से गुजरे थे और जो खिलाड़ी इस दौर से गुजरते हैं उन्हें विशेषज्ञ की जरुरत होती है। कोहली ने क्रिकेट कमेंटेटर मार्क निकोलस से चर्चा में कहा, निजी तौर पर कहूं तो यह ऐसा होता है कि आप बहुत से लोगों के बीच भी खुद को अकेला महसूस करते हैं। मैं यह नहीं कहूंगा कि मेरे पास बात करने के लिए लोग नहीं थे, लेकिन कोई ऐसा विशेषज्ञ नहीं था जो यह समझ सके कि मैं किस स्थिति से गुजर रहा हूं। मेरे ख्याल से यह बहुत बड़ा फैक्टर है। मैं इसमें कुछ परिवर्तन देखना चाहूंगा। भारतीय कप्तान ने कहा कि खिलाड़ी अक्सर खराब फॉर्म से गुजरने के बाद बाहर हो जाते हैं, लेकिन यह खराब मानसिक स्वास्थ्य से पीड़ित लोगों के लिए समाधान नहीं है।कोहली ने कहा, कई लोगों को लंबे समय तक इससे जूझना पड़ता है। कई बार एक महीने या पूरे क्रिकेट सत्र तक यह चलता है। कई लोग इससे नहीं उभर पाते हैं। उन्होंने कहा, उस वक्त उस इंसान की स्थिति काफी गंभीर होती है और मेरा मानना है कि ऐसे में विशेषज्ञ की मदद जरुरत होती है। अगर ऐसा नहीं होता है तो लोगों को इससे अपने हिसाब से लड़ना होता है। कोहली ने कहा, जब आप देखते हैं कि आप स्कोर नहीं कर पा रहे तो यह अच्छा नहीं होता। मेरे ख्याल से सभी बल्लेबाजों को किसी समय ऐसा लगता होगा कि सबकुछ उनके हाथ में नहीं है। इंग्लैंड दौरे को लेकर उन्होंने कहा, जब आप खराब समय से गुजरते हैं तो आपको नहीं पता चलता कि आप इससे कैसे निकलेंगे।

रजनीकांत का मुरीद है क्रिकेट का शाहरूख, आईपीएल नीलामी के समय था नर्वस

चेन्नई ।

सिनेमा के 'किंग खान' की तरह उनके हमनाम क्रिकेटर शाहरूख खान को भी कामयाबी रातोंरात नहीं मिली बल्कि चेन्नई के वेलाचेरी इलाके में रहने वाले रजनीकांत के इस प्रशंसक ने इसके लिए काफी मेहनत की है और इसका फल उन्हें आईपीएल में पंजाब किंग्स के साथ 5.25 करोड़ रूपये के करार के रूप में मिला। एम शाहरूख खान बचपन से ही क्रिकेट और सिनेमा के दीवाने हैं। चमड़े के व्यापारी उनके पिता मसूद और उनकी मां लुबना ने उनके सपने पूरे करने में काफी मदद की। शाहरूख ने कहा कि जब नीलामी में मेरा नाम आया तो मैं काफी नर्वस था। मैं खुशी से फूला नहीं समा रहा था। बस में मेरे साथी खासकर कप्तान दिनेश कार्तिक बहुत खुश थे। तमिलनाडु टीम के साथ विजय हजारे ट्रॉफी के लिए इन दिनों इंदौर में मौजूद 25 वर्ष के शाहरूख ने कहा कि मैं टेनिस गेंद से स्कूल में क्रिकेट खेलता था।

मैने डॉन बॉस्को और सेंट बेडे से स्कूल की पढाई की। इन्हीं स्कूलों से आर अश्विन, दिनेश कार्तिक और के श्रीकांत जैसे क्रिकेटर भी निकले हैं। शाहरूख ने कहा कि आईपीएल करार की चकाचौंध में उनका फोकस नहीं हटा है और उनकी नजरें शनिवार से शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी पर है । उन्होंने कहा कि मैं आईपीएल के बारे में अभी नहीं सोचना चाहता क्योंकि उसमें दो महीने का समय है। मेरा फोकस विजय हजारे ट्रॉफी पर है। तमिलनाडु के ही सी हरि निशांत को 20 लाख रूपये की बेसप्राइज पर चेन्नई सुपर किंग्स ने खरीदा । उन्होंने कहा कि पहले दौर में नहीं बिकने के बाद मैं निराश था। इसके बाद मैं डिनर करने चला गया जब मेरे पिता ने बताया कि मेरा नाम फिर आया है। इसके बाद मेरे साथियों ने बताया कि सीएसके ने मुझे खरीदा है। उस टीम में होना जिसमें 'थाला' एम एस धोनी है, यह सपना ही हो सकता है। मुझे इससे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

दुती ने 100 मीटर स्प्रिंट स्पर्धा जीती, तोक्यो ओलंपिक के लिए नहीं कर पाई क्वालीफाई

पटियाला । भारतीय धाविका दुती चंद ने नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान में इंडियन ग्रां प्री 1 एथलेटिक्स प्रतियोगिता की 100 मीटर स्प्रिंट स्पर्धा में जीत हासिल की। ओड़िशा का प्रतिनिधित्व कर रही दुती ने 11.51 सेकेंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। वह कर्नाटक की टी दानेश्वरी (11.86 सेकेंड) और महाराष्ट्र की डायंड्रा डुडले वालाडारेस (11.97 सेकेंड) से आगे रहीं। दुती का इस स्पर्धा में 11.22 सेकेंड से राष्ट्रीय रिकार्ड है। 25 साल की इस धाविका ने अभी तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं किया है। तोक्यो खेलों के लिए क्वालीफिकेशन समय 11.15 सेकेंड का है। अक्टूबर 2019 में रांची में आयोजित राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के बाद यह सीनियर खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर की पहली ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धा है। भारतीय एथलेटिक्स के शीर्ष स्तर के एथलीट अगले महीने होने वाले एएफआई फेडरेशन कप की तैयारियों में जुटे हैं और ग्रां प्री 1 ने दिखा दिया कि खिलाड़ी अच्छी फार्म में हैं जिसका सबूत कुछ खिलाड़ियों के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास ने दिया। केरल के मोहम्मद अनास याहिया देश के 400 मीटर स्पर्धा के सर्वश्रेष्ठ धावक हैं, उन्होंने 100 मीटर स्पर्धा में हिस्सा लिया और 10.70 सेकेंड के समय से दूसरे स्थान पर रहे। वह कृष्णकुमार सतीश राणे (महाराष्ट्र) से एक सेकेंड के 200वें हिस्से से पीछे रह गए। ओडिशा के अमिया कुमार मलिक 10.89 सेकेंड से तीसरे स्थान पर रहे। अरोकिया राजीव (तमिलनाडु) ने पुरूषों की 200 मीटर स्पर्धा में 21.40 सेकेंड से शशांक शिंदे को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : राम और सालिसबुरी की जोड़ी पुरुष युगल के फाइनल में

मेलबन. पांचवीं सीड अमेरिका के राजीव राम और ब्रिटेन के जोए सालिसबुरी की जोड़ी ने छठी सीड ब्रिटेन के जैमी मरे और ब्राजील के ब्रूनो सोएरेस की जोड़ी को सेमीफाइनल में हराकर शुक्रवार को वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम-ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष युगल वर्ग के फाइनल में जगह बना ली। टूर्नामेंट की आधिकारिक वेबसाइट-एयूएसओपन डॉट कॉम के अनुसार, राम और सालिसबुरी की जोड़ी ने एक घंटे 45 मिनट तक चले मुकाबले में मरे और सोएरेस की जोड़ी को लगातार सेटों में 6-4, 7-6 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। राम और सालिसबुरी का फाइनल में क्रोएशिया के इवान डोडिग और स्लोवाकिया के फिलिप पोलासेक की जोड़ी से मुकाबला होगा जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल मुकाबले में दूसरी सीड क्रोएशियाई जोड़ी निकोला मेकटिक और माते पैविच की जोड़ी को 4-6, 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबला रविवार को खेला जाएगा। रविवार को ही पुरुष एकल फाइनल भी खेला जाना है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज का हिस्सा बने राशिद खान, नहीं खेल पाएंगे अधिक्तर PSL मैच

स्पोर्ट्स डेस्क ।

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान जिम्बाब्वे के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज का हिस्सा होंगे जिस कारण वह पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के कई मैच नहीं खेल जाएगे। इस 22 वर्षीय स्पिनर राशिद लाहौर कलंदर्स टीम का हिस्सा हैं। वहीं अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच टेस्ट सीरीज 2 मार्च से अबू धाबी में होगी। असगर अफगान अफगानिस्तान का नेतृत्व करेंगे। अफगानिस्तान की टीम में मुनीर अहमद कक्कड़, शाहिदुल्लाह कमाल, बहिर शाह मोहबूब, फजल हक फारूकी, अब्दुल मलिक, सलीम सफी और जिया उर रहमान अकबर के साथ कई नए चेहरे भी हैं, जो अपना पहला टेस्ट खेलेंगे, अगर वह इलेवन में शामिल नहीं होता है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने ट्वीट करते हुए कहा, यहां संयुक्त अरब अमीरात में जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी 2 टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए अफगानिस्तान टीम है।

अफगानिस्तान की टीम :

असग़र अफगान (कप्तान), इब्राहिम ज़द्रन, रहमत शाह, जावेद अहमदी, हशमतुल्ला शाहिदी, अफसर ज़ज़ई, नासिर जमाल, अब्दुल मलिक, मुनीर अहमद काकर, शाहिदुल्लाह कमाल, बहिर शाह मोहबूब, राशिद खान, अमीर हमज़ा, फ़ज़ल हज़ल, फ़ज़ल हज़ल शिरज़ाद, सलीम सफ़ी, वफ़ादार मोमेंट, ज़िया उर रहमान अकबर, यामीन अहमदज़ई।

जिम्बाब्वे की टीम:

सीन विलियम्स (कैप्टन), रेयान बर्ल, सिकंदर रजा, रेगिस चकावा, केविन कसुजा, वेसली मधेवरे, वेलिंगटन मसाकाद्ज़ा, प्रिंस मसवुरे, ब्रैंडन मावुटा, तारिषा मुसकंडा, रिचमंड मुटुंबामी, आशीर्वाद मुजाराबानी, रिचर्ड नारगावी, विक्टर नेओयुची, डोनूची।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : मेदवेदेव और जोकोविच में होगी खिताबी जंग

मेलबर्न। विश्व रैंकिग में नंबर-4 रूस के डेनिल मेदवेदेव ने सेमीफाइनल मुकाबले में ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को हराकर शुक्रवार को वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जगह बना ली। फाइनल में मेदवेदेव का सामना नंबर-1 सर्बिया के नोवाक जोकोविच से होगा। मेदवेदेव ने दो घंटे नौ मिनट तक चले मुकाबले में पांचवीं सीड सितसिपास को लगातार सेटों में 6-4, 6-2, 7-5 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। मेदवेदेव का यह दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल होगा। इससे पहले वह 2019 यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे थे जहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। मेदवेदेव को ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जोकोविच का सामना करना है। 25 वर्षीय मेदवेदेव अगर फाइनल मुकाबला जीत जाते हैं तो वह रूस के मराट साफिन के बाद पहले पुरुष रूसी खिलाड़ी होंगे जो ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतेगा। साफिन ने 2005 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलियन ओपन के गत विजेता जोकोविच ने सेमीफाइनल में रूस के क्वालीफायर एस्लान कारात्सेव को हराकर लगातार दूसरे साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जगह बनाई थी। मेदवेदेव ने मुकाबले में 17 और सितसिपास ने तीन एस लगाए। रूसी खिलाड़ी ने मैच में 46 जबकि सितसिपास ने 19 विनर्स लगाए। मेदवेदेव ने 21 बेजां भूलें की और सितसिपास ने मुकाबले में 30 बेजा भूलें की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अक्षय कुमार की 'बेल बॉटम' इस दिन सिनेमाघरों में होगी रिलीज

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपने कई प्रोजेक्ट की शूटिंग में बिजी है। इस साल उनकी कई फिल्में रिलीज होने वाली है। इन्ही में से एक फिल्म 'बेल बॉटम' भी है। इस फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कई दिनों से संशय बना हुआ था, लेकिन अब यह दूर हो चुका है। इस फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। फिल्म इसी साल मई के महीने में पर्दे पर रिलीज होने वाली है। फिल्म के प्रोड्यूसर जैकी भगनानी ने ये खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की है। जैकी भगनानी ने ट्विटर पर ये जानकारी साझा करते हुए कहा, 'अपने कैलेंडर में मार्क कर लीजिए। 28 मई, 2021 को फिल्म आप के नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।' पोस्ट के साथ जैकी ने फिल्म से अक्षय कुमार का एक लुक भी शेयर किया जिसमें वे एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। तस्वीर में अक्षय कुमार हाथ में एक बैग लिए हैं और भाग रहे हैं। बेल बॉटम रंजीत तिवारी के निर्देशन में बन रही है। अक्षय कुमार के अलावा फिल्म में वाणी कपूर, हुमा कुरैशी, लारा दत्ता और आदिल हुसैन नजर आने वाले हैं। इससे पहले फिल्म को 2 अप्रैल 2021 को गुड फ्राइडे वाले वीकेंड में रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में फिल्म को किन्हीं कारणों से टाल दिया गया। अक्षय की ये फिल्म 1980 के समय पर आधारित है जिसमें वह रॉ एजेंट की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म में काफी सारे एक्शन सीक्वेंस दिखाए जाने की संभावना है। प्लेन हाइजैक की दास्तां बयां करती इस फिल्म में लारा दत्ता पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रोल में होंगी।

सनी लियोनी का साउथ इंडियन लुक सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह फैंस के साथ अक्सर अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में सनी लियोनी ने अपना एक अलग साउथ इंडियन लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। सनी लियोनी का यह फोटोशूट केरल में हुआ है। तस्वीरों में सनी ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रही हैं। तस्?वीरों में वह पिंक कलर की धोती और ब्लाउज में नजर आ रही हैं। उन्होंने माथे पर पिंक कलर की बिंदी और हाथों में पिंक कलर की चूड़ि?यां पहनी हुई है। इस लुक में सनी बहुत प्यारी लग रही हैं। अपने साउथ इंडियन लुक को शेयर करते हुए सनी ने कैप्शन में लिखा, 'भगवान के देश केरल से मुझे प्यार हो गया।' किसी तस्वीर में सनी बोट पर बैठी नजर आ रही हैं तो किसी तस्वीर में उनका क्लोजअप शॉट दिख रहा है। सनी लियोनी की यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस सनी लियोनी अपने बोल्ड अंदाज के चलते काफी लोकप्रिय हैं। वह अक्सर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती हैं। उनकी एक झलक पाने के लिए उनका हर फैन बेताब रहता है। यही वजह है कि सनी के फैंस उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स पर ख़ास नज़र रखते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो सनी लियोनी बीते दिनों वेब सीरीज बुलेट में नजर आई थीं। सनी लियोनी इन दिनों अपकमिंग वेब सीरीज 'अनामिका' को लेकर चर्चा में हैं। इस वेब सीरीज को विक्रम भट्ट डायरेक्ट कर रहे हैं।

रणवीर सिंह की 'सर्कस' में नजर आएंगी दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह इन दिनों कई प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में खबरें आई थी कि रणवीर की फिल्म 'सर्कस' इसी साल 31 दिसंबर को रिलीज हो सकती है। अब ताजा खबरों के अनुसार रोहित शेट्टी की इस फिल्म में रणवीर की पत्नी और अभिनेत्री दीपिका पादुकोण भी नजर आने वाली हैं। बता दें कि दीपिका और रणवीर पहले भी 'बाजीराव मस्तानी' और 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' में साथ काम कर चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, रणवीर की फिल्म 'सर्कस' में दीपिका एक स्पेशल डांस नंबर में नजर आने वाली हैं। 2019 में रणवीर और दीपिका की शादी के बाद यह दूसरा मौका है, जब वे किसी फिल्म में साथ नजर आ सकते हैं। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित 'सर्कस' के अलावा दीपिका '83' में भी रणवीर सिंह के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग अभी मुंबई में चल रही है और इसे अगले माह तक पूरा किया जा सकता है। दीपिका ने पिछले वीकेंड में शुक्रवार, शनिवार और रविवार को तीन दिनों तक इस फिल्म की शूटिंग की है। फिल्म 'सर्कस' को रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले टी-सीरीज के सहयोग से निर्मित किया जा रहा है। फिल्म का निर्देशन रोहित कर रहे हैं। अब दीपिका के शामिल होने के बाद फिल्म को लेकर फैंस की रुचि बढ़ गई है। खबरों के मुताबिक, रणवीर पहली बार किसी फिल्म में डबल रोल की भूमिका निभाते हुए दिखेंगे। इसके आलावा इनके को-स्टार वरुण शर्मा को भी डबल रोल में दिखा जा सकता है। यह फिल्म विलियम शेक्सपियर के नाटक 'द कॉमेडी ऑफ एरर्स' का रूपांतरण होगा। इस फिल्म में दो जुड़वा मालिक और दो जुड़वा नौकरों की कहानी को दिखाया जाएगा, जो बचपन में एक दूसरे से बिछड़ जाते हैं। इसके बाद जब बड़े होकर आपस में मिलते हैं, तो उनकी केमिस्ट्री शानदार होती है। इस फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस, पूजा हेगड़े, जॉनी लीवर और वरुण शर्मा जैसे कलाकार भी अभिनय करते नजर आने वाले हैं।

बिकिनी पहन सान्या मल्होत्रा ने फ्लॉन्ट किया अपना हॉट फिगर

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह इन दिनों मालदीव में वेकेशन एंजॉय कर रही हैं। सान्या यहां से अपनी कई तस्वीरें और वीडियो फैंस के साथ शेयर कर रही हैं। हाल ही में सान्या मल्होत्रा ने अपनी बिकिनी तस्वीरें शेयर की है, जो इंटरनेट पर धूम मचा रही है। उनकी इन तस्वीरों को फैंस जमकर लाइक्स की बौछार कर रहे हैं। तस्वीरों में सान्या मल्होत्रा चॉकलेट ब्राउन कलर की बिकिनी पहने नजर आ रहे हैं। इनमें वह अपना आर्म टैटू फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। साथ ही सान्या ने ड्रॉप इयररिंग और चिक हैट पहनी हैं। सान्या मल्होत्रा की इन तस्वीरों को उनके फैंस जमकर लाइक कर रहे हैं और साथ ही रिएक्शन भी दे रहे हैं। सान्या मल्होत्रा की इन तस्वीरों पर अब तक लाखों लाइक मिल चुके हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सान्या मल्होत्रा आखिरी बार अनुराग बसु की मल्टीस्टारर फिल्म 'लूडो' में दिखाई दी थीं। सान्या मल्होत्रा आने वाले समय में एक्टर विक्रांत मैसी और बॉबी देओल संग फिल्म 'लव हॉस्टल' में काम करती नजर आएंगी।

'लाल सिंह चड्ढा' के आखिरी शेड्यूल को यहां में शूट करना चाहते हैं आमिर खान

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान की आने वाली फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' काफी दिनों से चर्चा में है। इस फिल्म में आमिर खान के साथ करीना कपूर खान महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म से जुड़ी एक अपडेट सामने आई है। मीडिया सूत्रों के मुताबिक, आमिर खान अपनी अपकमिंग फिल्म लाल सिंह चड्ढा का आख़िरी शेड्यूल कारगिल में शूट करने वाले हैं। यह शेड्यूल मई-जून में शूट किया जाएगा। प्रोजेक्ट सूत्रों की मानें आख़िरी शेड्यूल इस फिल्म की कहानी एक अहम हिस्सा है। प्रोजेक्ट सूत्रों ने बताया, 'फ़िल्म की टीम बर्फ के पिघलने का इंतजार कर रही है, ताकि टीम आगे बढ़े और मई-जून के महीने में कारगिल युद्ध के सीक्केंस को शूट कर सके। यह सीक्केंस फिल्म की कहानी में बहुत महत्व रखता है और फिलहाल करगिल में परिस्थितियों के बेहतर होने की उम्मीद की जा रही है, ताकि शूटिंग को आसानी से अंजाम दिया जा सके।卐 बॉलीवुड में मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर लाल सिंह चड्ढा को लेकर काफी सीरियस हैं और इसके पर पहलू पर खुद ही नजर रखे हुए हैं। सूत्र के अनुसार, एडिट और बैकएंड के काम आमिर अपने देखरेख में करवा रहे हैं। उन्होंने ये भी फैसला किया है कि जब तक फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज़ नहीं हो जाती, तब तक वह अपने मोबाइल फोन को स्विच ऑफ रखेंगे, जिससे वह शतप्रतिशत फिल्म पर अपना ध्यान केंद्रित रख सकेंगे।' बता दें कि अद्वैत चंदन के डायरेक्शन में बन रही 'लाल सिंह चड्ढा' ऑस्कर विनिंग हॉलिवुड फिल्म 'फॉरेस्ट गम्प' का हिंदी अडैप्टेशन है। ऑरिजनल फिल्म में टॉम हैंक्स लीड रोल में दिखाई दिए थे। 'लाल सिंह चड्ढा' को इस साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज किया जा सकता है।

कपिल शर्मा के नक्शे कदम पर चल रही हैं बेटी अनायरा

कॉमेडियन कपिल शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम से अपनी बेटी अनायरा के साथ एक क्यूट तस्वीर शेयर की है। इस फोटो उनकी बेटी एक परी जैसी लग रही है। इस फोटो को देखकर कपिल के को-स्टार्स समेत दोस्त और फैंस कमेंट कर रहे हैं। सामने आई इस फोटो की सबसे खास बात ये हैं कि फोटो में जैसे कपिल हंसते हुए हाय कर रहे हैं ठिक उन्हीं की तरह उनकी बेटी भी हंसते हुए हाय कर रही है। सॉफ्ट पिंक ड्रेस में एक साल की अनायर बहुत ही क्यूट लग रह ही हैं. अनायरा के हेयरबैंड में बड़े पोंपोम लगे हुए हैं। फोटो में अनायरा की मुस्कुराहट इतनी प्यारी है आप उनकी फोटो से अपनी नजरे नहीं हटा पाएंगे। कपिल शर्मा ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए सभी को गुड मॉर्निंग विश किया है। उन्होंने लिखा, 'गुड मॉर्निंग एवरीवन' इसके साथ ही उन्होंने सूरज और आंखों में प्यार भरा इमोजी भी अपने कैप्शन में शामिल किया है। कॉमेडियन भारती सिंह ने इस फोटो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'मेरी बच्ची.' इसके साथ ही उन्होंने कई दिल और गले मिलने वाले इमोजी इसमें शामिल किए। सुमोना चक्रवर्ती ने लिखा, 'अरे अरे... क्यूटनेस की दुकान है अनायरा..卐 कृष्णा अभिषेक ने कमेंट में 'लवली' । बता दें कि हाल ही में कपिल शर्मा दूसरी बार पिता बने और उनकी पत्नी गिन्नी चतरथ ने बेटे को जन्म दिया था। कपिल ने ट्वीट कर फैंस को बताया था कि वो दूसरी बार पिता बन गए हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मिलिए स्वाति मोहन से, जिनके नेतृत्व में नासा ने मंगल पर रोवर की कराई ऐतिहासिक लैंडिंग

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

नासा का रोवर 'पर्सवियरन्स' शुक्रवार को जैसे ही मंगल की सतह पर उतरा, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के नियंत्रण कक्ष में ''टचडाउन कर्फम्ड'' (सफलतापूर्वक उतर गया) की आवाज गूंज उठी। यह घोषणा भारतीय मूल की अमेरिकी वैज्ञानिक स्वाति मोहन ने की, जिन्होंने रोवर को 'लाल ग्रह' पर उतारने में एक अहम भूमिका निभाई। स्वाति ही वह वैज्ञानिक हैं जिन्होंने 'मार्स 2020' मिशन के दिशा-निर्देशन और नियंत्रण अभियान (जीएन ऐंड सी) का नेतृत्व किया। उन्होंने रोवर को उतारने में उड़ान नियंत्रक (फ्लाइट कंट्रोलर) की भूमिका निभाई। स्वाति ने ही लाल ग्रह के वायुमंडल को पार करते हुए मंगल की सतह पर रोवर के सफलतापूर्वक उतरने की सबसे पहले घोषणा की। 'पर्सवियरन्स'जैसे ही लाल ग्रह की सतह पर उतरा, स्वाति ने घोषणा की, ''सफलतापूर्वक उतर गया।''

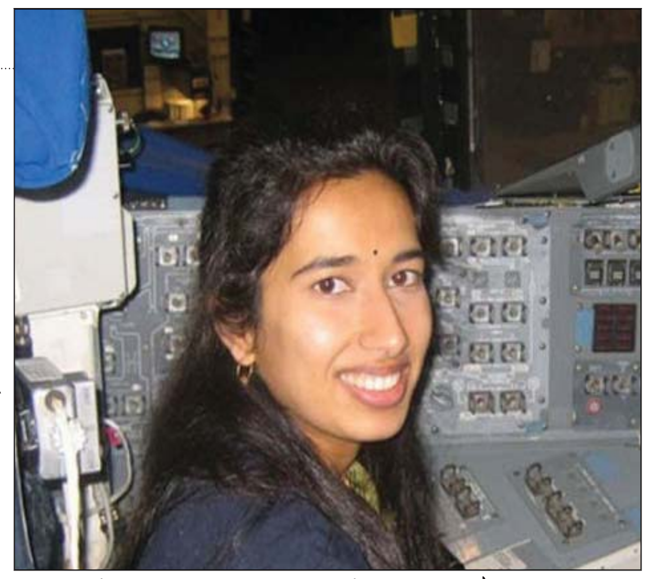

इसके साथ ही वहां जश्न का माहौल देखने को मिला। स्वाति एक साल की उम्र में भारत से अमेरिका पहुंचीं थीं। नासा की वेबसाइट पर उनसे संबद्ध पेज पर उन्हें उद्धृत करते हुए कहा गया है कि मौजूदा अभियान में उनकी टीम की भूमिका का उल्लेख किया गया है। स्वाति ने इस बारे में कहा, ''मंगल की सतह पर उतरने के दौरान सात मिनट का समय बहुत ही जोखिम भरा था।'' स्वाति ने कहा, ''टीम के अभियान की कमान संभालने के नाते, मैं जीएन ऐंड सी उप प्रणाली और शेष परियोजना के बीच संवाद की कड़ी थी।'' नॉर्दर्न वर्जीनिया और वाशिंगटन डीसी में पली बढ़ीं स्वाति ने यांत्रिक और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में कॉर्नेल विश्वविद्यालय से स्नातक और फिर मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से वैमानिकी एवं अंतरिक्षयानिकी में एमएस तथा पीएचडी की थी।

स्वाति ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में उनकी रुचि तब पैदा हुई जब उन्होंने नौ साल की उम्र में टीवी शो 'स्टार ट्रेक' देखा था। नासा के मंगल मिशन में स्वाति के योगदान की आज दुनियाभर में प्रशंसा हो रही है। नासा का छह पहिए वाला रोवर मंगल ग्रह से ऐसी चट्टानें लेकर आएगा, जिनसे इन सवालों का जवाब मिल सकता है कि क्या कभी लाल ग्रह पर जीवन था। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर कभी मंगल ग्रह पर जीवन रहा भी था तो वह तीन से चार अरब साल पहले रहा होगा, जब ग्रह पर जल मौजूद था। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि रोवर से दर्शनशास्त्र, धर्मशास्त्र और अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े एक मुख्य सवाल का जवाब मिल सकता है। 'पर्सवियरन्स' नासा द्वारा भेजा गया अब तक का सबसे बड़ा रोवर है। 1970 के दशक के बाद से अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी का यह नौवां मंगल अभियान है।

कश्मीर दौरे पर आए विदेशी राजनयिकों से बौखलाया पाक, भारत से मांगी यह अनुमति

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को भारत से अपील की कि वह तटस्थ अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों को कश्मीर जाने और कश्मीरी लोगों से निर्बाध बातचीत करके जमीनी हकीकत का आकलन करने की अनुमति दे। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के प्रवक्ता जाहिद हफीज चौधरी ने कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षकों, मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय, ओआईसी स्वतंत्र स्थायी मानवाधिकार आयोग के सदस्यों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया को कश्मीर जाने और कश्मीरी लोगों से निर्बाध बातचीत करके जमीनी हकीकत का आकलन करने की अनुमति देनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि यूरोप, लातिन अमेरिका और अफ्रीकी देशों के राजनयिक अगस्त, 2019 में संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद केंद्रशासित प्रदेश में जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर बुधवार को जम्मू-कश्मीर आए थे।

धार्मिक कारणों से पाकिस्तान की यात्रा करने से इच्छुक सिखों को भारत द्वारा यहां आने की अनुमति नहीं दिए जाने संबंधी सवाल के जवाब में चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान भारत समेत दुनियाभर के सिख यात्रियों को सर्वाधिक सुविधाएं मुहैया कराता है, ताकि वे यहां अपने धार्मिक स्थलों के दर्शन कर सकें। उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि भारत को भी सिख यात्रियों को पाकिस्तान स्थित उनके धार्मिक स्थलों में आने की सुविधा देनी चाहिए।'' भारत ने बुधवार को पाकिस्तान में सुरक्षा और कोविड-19 संबंधी हालात का हवाला देते हुए करीब 600 तीर्थयात्रियों को यहां आने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

सार समाचार

पाकिस्तान में जांच चौकी पर अज्ञात बंदूकधारियों का हमला, चार सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक सुरक्षा जांच चौकी पर अज्ञात बंदूकधारियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की जिससे अर्द्धसैनिक बल के चार जवानों की मौत हो गयी। शुक्रवार को सूत्रों ने इसकी जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि यह हमला बृहस्पतिवार को कोहलू जिले के कहान इलाके में हुआ। उन्होंने बताया कि बंदूकधारियों ने जमान खान जांच चौकी पर हमला किया जिसके परिणाम स्वरूप फ्रंटियर कोर के चार जवानों की मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि इस घटना में एक जवान घायल हुआ है।

वैश्विक कोविड-19 टीका सहयोग में चार अरब डॉलर के योगदान की घोषणा करेंगे जो बाइडेन

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन शुक्रवार को वैश्विक कोविड-19 टीका सहयोग के लिए चार अरब डॉलर की प्रतिबद्धता की घोषणा करेंगे जिसका उद्देश्य संवेदनशील आबादी का टीकाकरण करना है। बाइडेन इस बारे में औपचारिक घोषणा जी7 नेताओं की ऑनलाइन बैठक में संबोधन के दौरान कर सकते हैं। व्हाइट हाउस की ओर से कहा गया कि राष्ट्रपति जी7 समूह के सदस्य देशों से टिकाऊ स्वास्थ्य, सुरक्षा, वित्त प्रणाली को प्राथमिकता देने का अनुरोध करेंगे जिससे कि महामारी के खात्मे के लिए क्षमता निर्माण किया जा सके और भविष्य में ऐसी महामारियों से बचा जा सके। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने संवाददाताओं को बताया कि यह बैठक राष्ट्रपति बाइडन के लिए एक अवसर है जिसमें वह कोविड-19 महामारी को परास्त करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था के पुन-निर्माण की योजना पर चर्चा कर सकते हैं।

अपनी ही बनाई नीति में फंस गया चीन, अब जन्मदर को बढ़ाने पर कर रहा विचार

बीजिंग। चीन एक-बच्चे की अपनी विवादित नीति को समाप्त करने के चार साल से अधिक समय बाद देश में कम होती जन्मदर को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त उपायों पर विचार कर रहा है। चीन ने दशकों तक अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए कम संसाधनों के संरक्षण के नाम पर अतिरिक्त बच्चो के जन्म पर कड़ा नियंत्रण लागू रखा। हालांकि गिरती जन्मदर को अब आर्थिक प्रगति और सामाजिक स्थिरता के लिए एक बड़े खतरे के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बृहस्पिवार को जारी एक बयान में कहा कि वह 'जन्म क्षमता को अधिक बढ़ाने के लिए अनुसंधान करेगा। आयोग ने कहा कि पहल के तहत सबसे पहले देश के पूर्ववर्ती प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र उत्तरपूर्व पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा जहां जनसंख्या में एक बड़ी कमी देखी गई है क्योंकि युवा और परिवार बेहतर अवसरों के लिए अन्यत्र प्रस्थान कर गए हैं। तीन प्रांतों लिओनिंग, जिलिन और हेइलोंगजियांग वाले इस क्षेत्र में लगातार सातवें वर्ष 2019 में जनसंख्या में कमी देखी गई।

पाकिस्तान में रेप पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए देने होंगे 25 हजार रुपए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अब रेप पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए एक निर्धारित शुल्क देना होगा, जबकि लोकल लोगों को भी सामान्य शवों के पोस्टमार्टम के लिए कुछ शुल्क देना पड़ेगा। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक खबर के मुताबिक, खैबर मेडिकल कॉलेज यूनिवर्सिटी के फॉरेंसिक डिपार्टमेंट ने अब पाकिस्तान में रेप पीड़िता के मेडिकल जांच के लिए 25 हजार रुपए, वहीं सामान्य शवों के पोस्टमार्टम के लिए पांच हजार रुपए का शुल्क निर्धारित करने का एक प्रस्ताव रखा है। यह फैसला 14 फरवरी को प्रबंधन समिति द्वारा आयोजित एक बैठक में लिया गया, जिसमें ऐसे 17 नए शुल्कों को मंजूरी दी गई। इस फैसले के बाद कहा जा रहा है कि पुलिस विभाग के पास पहले से ही एक सीमित जांच बजट होता है, ऐसे में इस तरह के उच्च शुल्क की शुरूआत से स्थानीय पुलिस थानों द्वारा पीड़ित परिवारों को न केवल पोस्टमार्टम, बल्कि डीएनए टेस्ट और रेप पीड़िताओं के मामले में मेडिकल टेस्ट के लिए शुल्क का भुगतान करने के लिए मजबूर करने की संभावना बढ़ जाएगी।

डब्ल्यूएचओ ने जताई वुहान मार्केट से कोरोना फैलने की आशंका, कहा- पुष्टि के लिए अधिक जांच जरूरी

जेनेवा। चीन में कोरोना के स्त्रोत के बारे में पता करने गई डब्ल्यूएचओ विज्ञानियों की टीम ने संभावना जताई है कि वुहान के मार्केट में बिकने वाले खरगोश और बिज्जू जैसी प्रजातियों के जानवरों से ही इंसानों में कोरोना वायरस आया है। जांच में लगी टीम ने कहा है कि इसकी स्पष्ट रूप से पुष्टि करने के लिए वुहान मार्केट में इन जानवरों की सप्लाई करने वालों और अन्य जानवरों की जांच की जरूरत है। यहां वैध या अवैध रूप से बिकने वाले हर जानवर की सूची होना जरूरी है। डब्ल्यूएचओ टीम ने चार सप्ताह चीन के वुहान में रहने के बाद अपनी जांच पूरी कर ली है, लेकिन तमाम सवालों के जवाब अभी आना बाकी है। टीम ने इतना जरूर बताया है कि किसी लैब में कोरोना के वायरस के बनाए जाने के कोई सुबूत नहीं मिले हैं। वुहान मार्केट की भूमिका अभी साफ नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने स्कॉट मॉरिसन ने फेसबुक से खबरों पर रोक हटाने को कहा, पीएम मोदी से की बात

कैनबराष। (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने शुक्रवार को फेसबुक से अनुरोध किया कि वह ऑस्ट्रेलिया के उपयोगकर्ताओं पर लगाई रोक को हटा ले और समाचार प्रकाशित करने वाले व्यवसायों से वार्ता शुरू करे। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी भी दी कि अन्य देश भी समाचार साझा करने के एवज में डिजिटल कंपनियों से शुल्क वसूलने के उनकी सरकार के कदमों का अनुसरण कर सकते हैं। मॉरिसन ने कहा कि उन्होंने फेसबुक विवाद के बारे में बृहस्पतिवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात की। वह ब्रिटेन, कनाडा और फ्रांस के नेताओं के साथ भी ऑस्ट्रेलिया के इस प्रस्तावित कानून के बारे में बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया जो कर रहा है उसमें कई देशों की दिलचस्पी है। इसलिए मैं गूगल के समान ही फेसबुक को भी आमंत्रित करता हूं कि वह रचनात्मक तरीके से वार्ता करे क्योंकि वे जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया यहां पर जो करने जा रहा है उसका अनुसरण कई पश्चिमी देश कर सकते हैं।''

मॉरिसन ने ऑस्ट्रेलिया के लोगों की समाचार तक पहुंच तथा इसे साझा करने से फेसबुक द्वारा बृहस्पतिवार को रोके जाने के कदम को एक खतरा बताया। दरअसल फेसबुक ने बृहस्पतिवार को कड़े तेवर दिखाते हुए ऑस्ट्रेलिया में समाचार साझा करने पर पाबंदी लगा दी थी। सोशल मीडिया कंपनी के इस कदम से सरकार, मीडिया और शक्तिशाली प्रौद्योगिकी कंपनियों के बीच तकरार बढ़ गई है। ऑस्ट्रेलिया में फेसबुक पर समाचार साझा किए जाने के एवज में मीडिया संस्थानों को (सोशल मीडिया कंपनी द्वारा) भुगतान किये जाने के संबंध में एक प्रस्तावित कानून के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करते हुए इस कंपनी ने यह कदम उठाया है। मॉरिसन ने संवाददाताओं से कहा, ''कुछ साइट बंद करने का विचार, जैसा कि उन्होंले कल किया, यह एक किस्म का खतरा ही है। मैं जानता हूं कि ऑस्ट्रेलिया के लोगों की इसके लिए कैसी प्रतिक्रिया होगी। मेरा खयाल है कि उनका यह कदम ठीक नहीं था।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें जल्द से जल्द इससे आगे बढ़ना होगा, वार्ता मंच पर आना होगा और हम फिर इसका हल निकाल लेंगे।''

फेसबुक के रोक लगाने की देश में व्यापक तौर पर आलोचना हुई क्योंकि इस सोशल मीडिया कंपनी ने महामारी, सार्वजनिक स्वास्थ्य और आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच रोक दी है, हालांकि ऐसा अस्थायी तौर पर किया गया है। फेसबुक ने बृहस्पतिवार को घोषणा की थी कि उसने ऑस्ट्रेलिया में समाचार देने के बदले भुगतान करने के प्रस्तावित कानूनों के मद्देनजर ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए अपने मंच पर समाचार देखने या साझा करने की सेवा बंद कर दी है। दरसअल प्रतिनिधि सभा ने बुधवार रात एक विधेयक पारित किया जिसमें फेसबुक एवं गूगल को ऑस्ट्रेलियाई मीडिया कंपनियों को उन खबरों का उचित मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है जिन्हें ये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिखाते हैं। सीनेट में पारित होने के बाद ही यह कानून का रूप लेगा।

अमेरिका के संसद में पेश हुआ अमेरिकी नागरिकता विधेयक 2021, क्या भारत को होगा फायदा

वाशिंगटन।(एजेंसी)।

अमेरिकी नागरिकता विधेयक 2021 को संसद में पेश किया गया। इसके जरिए रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड के लिए किसी देश के प्रवासियों की संख्या सीमित करने पर पूर्व में लगायी गयी रोक खत्म की जाएगी। कानून बनने के बाद एच-1बी वीजा धारकों के आश्रितों को भी काम करने की अनुमति मिलेगी। अमेरिका में प्रौद्योगिकी क्षेत्र में काम करने वाले हजारों भारतीयों को भी इसका फायदा होगा। संसद के दोनों सदन प्रतिनिधि सभा और सीनेट में विधेयक के पारित हो जाने और राष्ट्रपति जो बाइडन के हस्ताक्षर के बाद कानून बनने से बिना दस्तावेज के रह रहे और वैध तरीके से देश आए लाखों लोगों को नागरिकता मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। सीनेटर बॉब मेनेंडेज और प्रतिनिधि सभा की सदस्य लिंडा सांचेज ने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिकी नागरिकता कानून 2021 में आव्रजन सुधार का प्रावधान किया गया है। इस महत्वपूर्ण कदम के तहत ग्रीन कार्ड के लिए 10 साल से ज्यादा समय से इंतजार कर रहे पेशेवरों को वैध रूप से स्थायी तौर पर रहने की मंजूरी भी मिल जाएगी। इस कानून के बनने से सबसे ज्यादा फायदा भारतीयों को होगा। बाइडन ने 20 जनवरी को शपथ लेने के बाद इस विधेयक को संसद के लिए भेज दिया था। इसके तहत रोजगार आधारित लंबित वीजा को मंजूरी दी जाएगी। प्रत्येक देश पर वीजा के लिए लगायी गयी सीमा भी खत्म की जाएगी और प्रतीक्षा समय को घटाया जाएगा। विधेयक में अमेरिकी विश्वविद्यालयों से 'एसटीईएम' विषय के डिग्री धारकों के अमेरिका में रहने का रास्ता भी आसान बनाने का प्रावधान किया गया है। उल्लेखनीय है कि एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) विषयों में डिग्री के लिए अमेरिकी विश्वविद्यालयों में सबसे ज्यादा छात्र भारत के ही हैं। दोनों सदनों में सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी का बहुमत है। हालांकि, ऊपरी सदन में विधेयक को पारित कराने के लिए पार्टी को 10 रिपब्लिकन सदस्यों के समर्थन की जरूरत होगी। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व और व्हाइट हाउस ने उम्मीद जतायी है कि उन्हें अमेरिका में रह रहे लाखों गैर नागरिकों के हित के लिए आवश्यक समर्थन मिलेगा।

संयुक्त राष्ट्र में भारत का पाक पर निशाना, कहा- सरकार समर्थित आतंकवाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ता है भेदभाव

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

भारत ने पाकिस्तान की तरफ इशारा करते हुए कहा कि किसी खास समुदाय को निशाना बनाकर सरकार प्रायोजित आतंकवाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव बढ़ता है। इतना ही नहीं वे हाशिये पर जाने के लिए मजबूर हो जाते हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों और एजेंसियों से किसी भी आधार पर आतंकवाद को उचित नहीं ठहराने का आह्वान किया है।

आतंकवाद समाज में भेदभाव की बड़ी वजह

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा, आतंकवाद का कहर हमारे समाज में भेदभाव का बड़ा कारण बना है। सरकार प्रायोजित आतंकवाद का कहर हमारे समाज में भेदभाव का बड़ा कारण बना है। राज्य प्रायोजित आतंकवाद से खास समुदाय को निशाना बनाने पर अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव बढ़ता है और वे समाज में हाशिये पर जाने को मजबूर होते हैं।'

आतंकवाद को उचित ना ठहराया जाए

नस्लवाद किसी धर्म के खिलाफ नफरत की भावना और भेदभाव खत्म करने के लिए आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए तिरुमूर्ति ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत सभी देशों से ऐसे आतंकी कृत्यों पर लगाम लगाने का आह्वान करता है। भारत सदस्य राष्ट्रों तथा संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों से भी किसी भी आधार पर आतंकवाद को उचित ठहराने का मौका नहीं देने का आह्वान करता है।

इंटरनेट नस्ली भेदभाव का नया माध्यम बना

तिरुमूर्ति ने कहा कि आज के समय सारी दुनिया आपस में जुड़ी हैं और नया मीडिया खासकर इंटरनेट मीडिया नस्ली घृणा और भेदभाव वाली विचारधारा के प्रसार का नया माध्यम बना है। उन्होंने कहा कहा कि सामाजिक सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए हमें पूरी शक्ति से इन समस्याओं से निपटने की जरूरत है।

नस्लवाद के खिलाफ चलाया जाए अभियान

तिरुमूर्ति ने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है कि सीमित स्थान पर नस्लवाद और भेदभाव को रोकने के लिए अभियान ना चलाया जाए बल्कि जो भी इससे प्रभावित हैं, उनके समाधान के लिए काम करना चाहिए। उधर, भारत ने यमन में दशकों से चले आ रहे संघर्ष पर निराशा जताई है। यूएन में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने जोर देकर कहा कि शांतिपूर्ण समझौता ही एकमात्र रास्ता है।

कश्मीर पर टिप्पणी को लेकर भारत ने जताई नाराजगी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र के दो विशेषज्ञों द्वारा कश्मीर को लेकर की गई टिप्पणी पर नाराजगी व्यक्त की है। भारत ने कहा कि अधिकारियों ने टिप्पणी करते वक्त तटस्थ नहीं रहे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और संसद में कानून के जरिये उसमें परिवर्तन किया गया है।

अमेरिका के टॉप थिंक टैंक ने कहा- भारत के विकास में मदद करना अमेरिका के हित में है

वाशिंगटन। अमेरिका के शीर्ष थिंक टैंक ने बृहस्पतिवार को कहा कि चीनी अधिनायकवाद के प्रभाव को शीघ्र रोकना चाहिए और इसका एक अपेक्षाकृत कम लागत वाला तरीका यह है कि भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन का बड़ा प्रतिद्वंद्वी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। वाशिंगटन डीसी स्थित थिंक टैंक हडसन इंस्टीट्यूट ने अपनी ताजा रिपोर्ट ' बाइडेन प्रशासन के लिए अमेरिका और भारत का व्यापार एजेंडा' में कहा कि भारत को अमेरिकी कॉरपोरेशन के साथ बेहतर संबंध बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए क्योंकि अमेरिकी निवेश में बढ़ोतरी और व्यापार संबंधों में और सुधार होने से चीन के उदय से निपटने में अमेरिका-भारत सहयोग की संभावनाएं बढ़ेंगी।

हुसैन हक्कानी और अपर्णा पांडे द्वारा लिखित रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के उदय में सहायता करना अमेरिका के हित में है। इसमें कहा गया है, ''अमेरिका को चीनी अधिनायकवाद के प्रभाव को शीघ्र एवं अकसर रोकना चाहिए और इसका एक अपेक्षाकृत कम लागत वाला तरीका यह है कि भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन का बड़ा प्रतिद्वंद्वी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।'' रिपोर्ट में भारत से संरक्षणवाद की नीति को त्यागने की अपील की गई है।

10 बजे या उससे पहले सोने वाले व्यक्तियों में बढ़ रहा दिल के दौरे का खतरा!

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

अगर आप 10 बजे से पहले सोते है तो यह खबर आपके लिए ही है। अगर आप यह सोच रहे है कि जल्दी सोने से आपका स्वास्थ्य सही रहेगा तो आप बिल्कुल गलत है, जी हां एक नए अध्ययन के अनुसार, जल्दी सोने यानि की 10 बजे या उससे पहले सोने वाले व्यक्तियों में दिल के दौरे, स्ट्रोक और मृत्यु की घटनाओं में लगभग 9 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। वहीं जो लोग देर से यानि की 10 बजे के बाद और आधी रात या बाद में सोते है, उनमें यह जोखिम 10 फीसदी तक बढ़ सकता है। इस महीने की शुरुआत में मेडिकल जर्नल स्लीप मेडिसिन में प्रकाशित, अध्ययन में उल्लेख किया गया है कि कैसे जल्दी या देर से सोने से व्यक्ति में हृदय रोगों का जोखिम बढ़ सकता है। बता दें कि यह अध्ययन 21 देशों में 1,12,198 प्रतिभागियों की नींद के आदतों पर की गई थी।

इस अध्ययन को दो स्लीपिंग में डिवाइड किया गया था जिसमें राज 10 बजे या पहले सोने वाले लोगों को 'पहले' स्लीपर के पार्ट में ऐड किया गया जबकि जो आधी रात या बाद में सोते है उनको 'बाद' स्लीपर में ऐड किया गया। वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में 'यू-आकार' ग्राफ पाया जो कि स्ट्रोक, दिल और मृत्यु की संभावना को काफी बढ़ाता है। अध्ययन में 9.2 साल के दौरान कुल 5,633 मौतें और 5,346 प्रमुख हृदय संबंधी घटनाओं को दर्ज किया गया।

बता दें कि इस रिसर्च का हिस्सा रहे सीनीयर डायबेटोलॉजिस्ट डॉक्टर वी मोहन ने बयान में कहा कि, हम मानते है कि एक स्वस्थ व्यक्ति को 6 से 8 घंटे सोना काफी महत्वपूर्ण होता है लेकिन इस रिसर्च से पता चलता है कि सही समय पर सोना एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए कितना जरूरी है। रिसर्च के मुताबिक, रातो को 10 बजे से पहले सोना और रात को 10 बजे के बाद सोना दोनों ही एक स्वस्थय व्यक्ति के लिए काफी दिक्कत पैदा कर सकता है इसलिए समय पर सोना काफी जरूरी है। डॉक्टर कहते है कि अगर सोने का समय रात 10 बजे से मध्य रात का हो तो घटनाएं कम होंगी। हार्ट अटैक की घटनाएं जब ज्यादा बढ़ती है जब सोने का समय या तो बहुत जल्दी हो या बहुत बाद। जानकारी के मुताबिक, रात के 3 बजे के बाद या शाम 7 बजे के पहले सोने वाले व्क्ति को स्वास्थ्य संबंधी तकलीफे अधिक होती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शोर्ट सर्किट होने के बाद ऑफिस में कर्मचारियों में मची भगदड़

शोर्ट सर्किट होने के बाद उधना साउथ ज़ोन की ऑफिस में लगी,फायर कर्मी मौके पर पहुचे।

सूरत। सूरत महानगर पालिका के उधना साउथ की जॉन के ऑफिस में शुक्रवार सुबह ट्यूब लाइट में शोर्ट सर्किट होने के बाद ट्यूब लाइट फट गई जिस वजह से आग भभक गई,आग की घटना की वजह से वहा मौजूद कर्मचारियों में भगदड़ मच गई,हालाँकि कुछ कर्मचारियो ने आग बुझाने का प्रयास किया साथ ही फायर विभाग को इसकी जानकारी दी,जिससे फ़ायर कर्मियों की एक टीम घटना स्थल पर पहुंची और समय से आग बुझाकर घटना पर काबू पा लिया.

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उधना जॉन में स्थित पुरानी बिल्डिंग की पहली मंजिल पर स्थित क्लेरिकल विभाग में शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे ट्यूबलाइट की चोक गरम हो जाने के कारण शार्ट सर्किट हो गई जिस वजह से ट्यूबलाइट फट गई,ट्यूब लाइट फटते ही आग भभक उठी,इस घटना की वजह से वहा मौजूद कर्मचारियों में भगदड़ मच गई,जबकि कुछ कर्मचारियों ने वहा उपलब्ध फायर के संसाधनों से ने आग बुझाने का प्रयास किया साथ ही फायर विभाग को सुचना दी जिससे फायर कर्मियो की टीम मौके पर पहुच गई और और कुछ ही समय में आग बुझाकर ज्यादा फैलने से रोककर घटना पर काबू पा लिया.फायर विभाग के अधिकारियो ने बताया कि आग सामान्य थी और समय से उसे कंट्रोल में ले लिया जिसे ज्यादा फैली नहीं और वहा रखे जरूरी डॉक्युमेंट्स जलने से तथा नुकशान होने से बच गए.इसके अलावा घटना समय से काबू में आ जाने से सभी ने राहत की सास ली।

हाईकोर्ट में स्थानीय निकाय चुनाव की एक साथ मतगणना की मांग खारिज

अहमदाबाद,गुजरात हाईकोर्ट ने आज उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें नगर निगम और पालिका-पंचायत चुनावों की मतगणना एक साथ कराने की मांग की गई थी। हाईकोर्ट के फैसले के बाद नगर निगम चुनाव की मतगणना 23 फरवरी और नगर पालिका, जिला व तहसील पंचायत चुनाव की 2 मार्च को मतगणना का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल राज्य निर्वाचन आयोग ने गुजरात के 6 नगर निगम में 21 फरवरी को मतदान और 23 फरवरी को मतगणना का आयोजन किया है7 जबकि राज्य की 81 नगर पालिका, 31 जिला पंचायत और 231 तहसील पंचायतों में 28 फरवरी को मतदान और 2 मार्च को मतगणना तय की गई थी। नगर निगम और पालिका-पंचायत चुनावों की अलग अलग मतगणना कराने के निर्वाचन आयोग के फैसले को गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता की दलील थी कि नगर निगम चुनाव की पहले मतगणना होने से बाद में होनेवाले पालिका-पंचायत के मतदाता प्रभावित हो सकते हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि निष्पक्ष और न्यायिक चुनाव कराना सभी का कर्त्तव्य है और इसलिए नगर निगम और पालिका-पंचायत चुनावों की मतगणना एक साथ होनी चाहिए। जिसके जवाब में चुनाव आयोग ने 303 पन्नों का हलफनामा हाईकोर्ट में दाखिल कर बताया कि वर्ष 2005 में भी स्थानीय निकाय चुनाव की मतगणना अलग अलग हुई थी। एक दिन मतगणना करने के लिए अतिरिक्त स्टाफ की जरूरत होती है कोविड की स्थिति को देखते हुए फिलहाल यह संभव नहीं है। क्योंकि रूम में पहले के मुकाबले आधे टेबल पर होंगे, ऐसे में एक साथ मतगणना कराना मुमकीन नहीं है। चुनाव आयोग की दलील को मान्य रखते हुए गुजरात हाईकोर्ट ने नगर निगम और पालिका-पंचायत चुनावों की मतगणना एक साथ कराने की मांग खारिज कर दी। हाईकोर्ट के फैसले से अब नगर निगम के 23 फरवरी को और पालिका-पंचायत चुनाव की मतगणना 2 मार्च को करने का रास्ता साफ हो गया है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

यूपीए की सरकार होती तो राम मंदिर का निर्माण संभव नहीं होता : नितिन पटेल

अहमदाबाद,गुजरात के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने एक चुनावी सभा में केन्द्र में यदि कांग्रेसनित यूपीए सरकार होती तो अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण आज भी संभव नहीं होता।

कांग्रेस और वामदल नहीं चाहते थे कि अयोध्या का मसल हल हो। श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए हम सभी निधि एकत्र कर रहे हैं और जिसने इस निधि में योगदान नहीं दिया है, उनसे दान करने की अपील करते हुए नितिन पटेल ने कहा कि अयोध्या मंदिर का निर्माण शुरूहो गया है।

यदि यूपीए सरकार सत्ता होती और मनमोहनसिंह, सोनिया गांधी, रोबर्ट वाड्रा, राहुल गांधी, पी चिदंबरम के होते हुए मंदिर निर्माण नहीं शुरू हो पाता। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार जिसने सर्वसहमति से राम मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और दीर्घदृष्टि से यह आज संभव हो पाया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर के लिए अतिरिक्त जमीन उपलब्ध कराई और जो व्यवस्था की उसकी वजह से अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्यातिभव्य मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। नितिन पटेल ने कहा कि आग्रा में ताजमहल बनाया उससे आपत्ति नहीं है। बाबरी मस्जिद बनाई उससे भी आपत्ति नहीं होती यदि मंदिर तोड़कर नहीं नहीं बनाई जाती। देश में सैंकड़ों मस्जिदों से हमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन मंदिर तोड़कर बनाई गई मस्जिद कैसे बर्दाश्त होती। उन्होंने कहा कि हिन्दुओं की आस्था के प्रतीक सोमनाथ मंदिर हो या राम मंदिर या अन्य फिर अन्य मंदिरों को ध्वस्त करना ही ऐसे लोगों की मंशा रही है ताकि हिन्दुओं में दहशत फैले। भगवान सोमनाथ के मंदिर पर 17 दफा आक्रमण किया और केवल लूट नहीं की बल्कि हिन्दुओं की आस्था के केन्द्र पर कुठाराघात किया। भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के जन्मस्थल को विदेशी आक्रांताओं ने भ्रष्ट किया। परदेश से आए सभी अफगानिस्तानी थे।

तैमूर लंग लंगड़ा था और उसके सभी लंगड़े ही होते हैं।

तैमूर लंग से लेकर हुमायु, बाबर इत्यादि की औलादें भी भारतीय नहीं हैं। उनका डीएनए टेस्ट कराया जाए तो सभी अफगानिस्तानी ही निकलेंगे।

उस वक्त यह दुर्भाग्य था कि भारत में राजा-महाराजा विभाजित थे, जिसकी वजह से विदेशी आंक्राताओं को सफलता मिली।

ऐसे लोग कहीं फिल्में तो कहीं गीत बनाकर हिन्दुओं की भावनाओं को भड़काते रहते हैं। ऐसे लोगों हिन्दुओं को मानसिक रूप से अपसेट करना सिखाया गया है और वह यही कर रहे हैं।

सार-समाचार

6 नगर निगमों चुनाव प्रचार शोर थमा, उम्मीदवारों का डोर टू डोर संपर्क शुरू

अहमदाबाद,राज्य के 6 नगर निगमों में चुनाव प्रचार शुक्रवार की शाम खत्म हो गया। अब उम्मीदवार घर घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान की अपील में जुट गए हैं। समय खत्म होने से पहले भाजपा और कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक दलों ने प्रचार के अंतिम दिन पूरी ताकत झोंक दी। भाजपा और कांग्रेस ने प्रचार के अंतिम दिन विशाल रैलियां निकाल कर मतदाताओं को रिझाने का प्रयास किया। रविवार को राज्य के अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, भावनगर, राजकोट और जामनगर नगर निगमों में सामान्य चुनाव और जूनागढ़ नगर निगम की दो सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान होगा। 6 नगर निगमों के 144 वार्ड की 576 सीटों पर 2276 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। अहमदाबाद मनपा के 48 वार्ड की 192 सीटों पर 773 उम्मीदवार मैदान में है। शहर के नारणपुरा वार्ड की एक सीट निर्विरोध घोषित की जा चुकी है। वडोदरा नगर निगम के 19 वार्ड की 76 सीटों पर 279 उम्मीदवार चुनावी जंग में है। सूरत महानगर पालिका के 30 वार्ड की 120 सीटों पर 484 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा। जामनगर नगर निगम के 16 वार्ड की 64 सीटों पर 236 उम्मीदवार, राजकोट के 18 वार्ड की 72 सीटों पर 293 उम्मीदवार और भावनगर नगर निगम के 13 वार्ड की 52 सीटों पर 211 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। जूनागढ़ महानगर पालिका की दो रिक्तसीटों पर होनेवाले उपचुनाव में 9 उम्मीदवार के बीच मुकाबला होगा। नगर निगम चुनाव के लिए 21 फरवरी को मतदान होगा और 23 फरवरी को मतगणना होगी। जबकि 28 फरवरी को राज्य की 81 नगर पालिका की 680 सीटों पर, 31 जिला पंचायत की 980 सीटों पर और 231 तहसील पंचायतों 4774 सीटों पर चुनाव होगा और 2 मार्च को मतगणना की जाएगी। बता दें कि अलग अलग मतगणना को गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। शुक्रवार को हाईकोर्ट ने एक साथ मतगणना की मांग करती याचिका को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट के फैसले के बाद फिलहाल तो नगर निगम और पालिका-पंचायत चुनावों की मतगणना अलग-अलग होना तय है।

गुजरात के इस गांव में एक सप्ताह का स्वैच्छिक लॉकडाउन

आणंद ,मध्य गुजरात के डेमोल गांव में एक सप्ताह का स्वैच्छिक लॉकडाउन घोषित किया गया है। 3 दिनों के भीतर 20 कोरोना संक्रमित मरीज सामने आने के बाद स्वैच्छिक लॉकडाउन का फैसला किया गया। गांव में जिला स्वास्थ्य विभाग टीमें लगाई गई हैं। 3000 की आबादी वाले आणंद जिले की पेटलाद तहसील के डेमोल गांव की महिलाएं लॉकडाउन के बाद धार्मिक यात्रा करने गई थीं। फरवरी के पहले सप्ताह में महिलाओं की यात्रा के बाद गांव के युवा भी दूसरे सप्ताह में धार्मिक करने गए। धार्मिक यात्रा लौटने के बाद गांव में बुखार, शर्दी और खांसी के मामले अचानक बढ़ने से कुछ लोगों ने कोरोना टेस्ट कराया। तीन दिनों के भीतर 20 कोरोना संक्रमित मरीज सामने आने से गांव में हड़कम्प मच गया। कोरोना की भयावह स्थिति होने से पहले ही लोगों ने स्वैच्छिक लॉकडाउन का ऐलान कर दिया। डेमोल गांव में कोरोना के मामले बढ़ने के बाद हरकत में आए जिला स्वास्थ्य विभाग ने 8 टीमों को काम पर लगा दिया।

नाजायज संबंधों से नाबालिग ने दिया बच्चे को जन्म, आरोपी भी नाबालिग

डांग,जिले के एक गांव में नाबालिग लड़की और लड़के बीच प्यार हुआ और दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी कायम हुआ। जिससे लड़की गर्भवती हो गई और एक बच्चे को जन्म दिया। इस घटना के बाद हरकत में आई पुलिस ने बच्चे के पिता के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक डांग जिले की आहवा तहसील के एक गांव की 14 वर्षीय किशोरी और 14 साल का किशोर गन्ने की कटाई के साथ जाते थे। साथ में आते-जाते दोनों एक-दूसरे से प्यार ही नहीं शारीरिक संबंधों तक पहुंच गए। जिसकी वजह से नाबालिग लड़की गर्भवती हो गई और बच्चे को जन्म दिया। घटना की खबर लगते ही हरकत में आई डांग पुलिस ने बच्चे के पिता के खिलाफ पोक्सो के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरूकी है। 14 साल की उम्र में प्यार और शारीरिक संबंध बनाकर माता-पिता कानून की चंगुल में फंस गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम्स हेलिना और ध्रुवस्त्र का सफल परीक्षण

नई दिल्ली।

भारत ने शुक्रवार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम्स हेलिना और ध्रुवस्त्र का सफल परीक्षण किया।

हेलिना (आर्मी वर्जन) और ध्रुवस्त्र (एयरफोर्स वर्जन) मिसाइल सिस्टम्स के लिए संयुक्त उपयोगकर्ता परीक्षण में एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (एएलएच) प्लेटफॉर्म से डेजर्ट रेंज में किए गए हैं। मिसाइल प्रणालियों को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है। न्यूनतम और अधिकतम रेंज में मिसाइल क्षमताओं के मूल्यांकन के लिए पांच मिशन संचालित किए गए। मिसाइलों को यथार्थवादी, स्थिर और चलते हुए लक्ष्यों के खिलाफ होवर और मैक्स फॉरवर्ड फ्लाइट में फायर किया गया। कुछ मिशन परित्यक्त टैंकों के खिलाफ वॉरहैड्स से किए गए थे। आगे उड़ने वाले हेलिकॉप्टर से चलायमान लक्ष्य के खिलाफ मिशन चलाया गया। हेलिना और ध्रुवस्त्रा तीसरी पीढ़ी के, लॉक ऑन बिफोर लॉन्च (एलओबीएल) फायर एंड फॉरगेट एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल हैं जो डायरेक्ट हिट मोड के साथ-साथ टॉप अटैक मोड दोनों में लक्ष्य पर निशाना साधने में सक्षम हैं । इस प्रणाली में सभी मौसम में दिन और रात वाली क्षमता है और पारंपरिक कवच वाले टैंक के साथ साथ विस्फोटक प्रतिक्रियाशील कवच वाले युद्धक टैंकों को पराजित करने की क्षमता भी है। यह दुनिया के सबसे उन्नत एंटी टैंक हथियारों में से एक है। अब मिसाइल सिस्टम को शामिल करने की तैयारी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उपलब्धियों के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), सेना और वायु सेना को बधाई दी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. जी सतीश रेड्डी ने सफल परीक्षणों में शामिल टीमों के प्रयासों की सराहना की।

उत्तराखंड जल-प्रलय- 166 मीटर सुरंग की सफाई

देहरादून। उत्तराखंड के चमोली जिले में आपदा प्रभावित तपोवन परियोजना के एक सुरंग के अंदर जिंदगी की तलाश अब भी जारी है। इसके लिए सुरंग की सफाई का काम भी तेजी से चल रहा है। शुक्रवार को भी अलग-अलग गैजेट्स की मदद से बचाव दल मशक्कत करता नजर आया। एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि हम सुरंग के 166 मीटर अंदर 6 मीटर की ढलान तक पहुंच गए हैं। हम सभी गैजेट्स का इस्तेमाल कर अधिक शवों की तलाश कर रहे हैं। कुछ अन्य जगहों पर भी बचाव दल ने 143 लापता व्यक्तियों के लिए अपने खोजी अभियान में डॉग स्क्वॉड, दूरबीन, राफ्ट और अन्य उपकरणों का इस्तेमाल किया। विदित हो कि ऋषिगंगा नदी में 7 फरवरी के जलप्रलय के बाद लगभग 204 व्यक्ति लापता हो गए थे। गुरुवार को सुरंग के अंदर दो और शवों की बरामदगी के बाद अब तक कुल 61 शव बरामद किए गए हैं। सुरंग के अंदर पानी और कीचड़ की मौजूदगी के कारण खुदाई का काम बाधित हो रहा है। अधिक मात्रा में कीचड़ के कारण शवों को अधिकतम देखभाल के साथ बाहर निकालने के लिए एहतियातन ऑपरेशन धीमी गति से चल रहा है। सुरंग के अंदर से अब तक तेरह शव मिले हैं। बचावकर्मी दो प्रमुख स्थानों पर काम कर रहे हैं - एक सुरंग के अंदर और दूसरा रैणी में ऋषिगंगा परियोजना के अवशेषों पर। रैणी गांव के पास बचाव अभियान में स्निफर डॉग्स का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा नदियों में भी खोज की जा रही है। एसडीआरएफ की कुल 12 टीमें रैणी गांव से नीचे की ओर श्रीनगर शहर क्षेत्र में दूरबीन, स्निफर डॉग और राफ्ट का उपयोग कर शवों की तलाश कर रही हैं। राफ्टिंग का उपयोग ऋषिगंगा, धौलीगंगा और अलकनंदा नदियों में किया जा रहा है, जो गंगा की सभी सहायक नदियां हैं।

कोविड-19 दौर में दुनिया ने आर्युवेद को तेज़ी से स्वीकारा, मार्किट ग्रोथ में 90 फीसदी वृद्धि

नेशनल डेस्क। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने शुक्रवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद आयुर्वेद अर्थव्यवस्था में 90 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। इसका कारण आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया जाना है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में निर्यात के साथ-साथ निवेश में भी भारी वृद्धि हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, आयुर्वेद उत्पादों का बाजार 30,000 करोड़ रुपये का है, जिसमें दहाई अंक 15 से 20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर हो रही है। कोरोना काल के पहले आयुर्वेदिक दवाओं का कारोबार 15 से 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा था लेकिन अब इसमें 50 से 90 प्रतिशत की दर से वृद्धि हो रही है। यह इस बात का प्रतीक है कि दुनिया ने आर्युवेद को तेज़ी से स्वीकार किया है।

अर्थव्यवस्था वृद्धि दर बढ़कर 90 प्रतिशत हुई

उन्होंने कहा, 'यह आंकड़ा पूर्व-कोविड समय का है। कोविड बाद के दौर में आयुर्वेद की अर्थव्यवस्था वृद्धि दर बढ़कर 50 से 90 प्रतिशत हो गई है जबकि पहले इसमें 15 से 20 प्रतिशत की वृद्धि हो रही थी।' यह स्वयं दर्शाता है कि भारत और विश्व के लोगों ने आयुर्वेद को स्वीकार किया है। मंत्री ने कहा, 'निर्यात और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के संदर्भ में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।' वह कोविड के खिलाफ 'प्रथम साक्ष्य आधारित आयुर्वेदिक दवा' पर हरिद्वार स्थित पतंजलि द्वारा एक शोध पत्र जारी करने के मौके पर आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड समय के दौरान, आयुष मंत्रालय ने 140 स्थानों पर 109 प्रकार के अध्ययन किए थे। 'जब मैंने परिणाम देखे, तो वे काफी उत्साहजनक और सकारात्मक थे।

आयुर्वेद को किसी भी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं

आयुर्वेद लोगों को स्वस्थ रखने के लिए है और इसे किसी से किसी भी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, 'अगर हम तकनीकी रूप से इसका अध्ययन करते हैं, तो भारत के पास एक बड़ी क्षमता मौजूद है।' 'ईएनटी' (कान, नाक, गला) में विशेषज्ञता के साथ एमबीबीएस और एमएस, हर्षवर्धन ने कहा हालांकि मैंने आधुनिक चिकित्सा पद्धति का अभ्यास किया है लेकिन आयुर्वेद का अध्ययन करने के बाद, मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि यह सभी के लिए फायदेमंद है। कार्यक्रम में रामदेव ने कहा कि सभी चिकित्सा पद्धतियों में तालमेल की जरूरत है। इस मौके पर मौजूद केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, नितिन गडकरी ने कहा कि पंतजलि ने दैनिक उपयोग के सामान के लिये विकल्प उपलब्ध कराया है। ये वे उत्पाद हैं जिनके लिये देश को विदेशी कंपनियों को रॉयल्टी देनी होती है। उन्होने कहा कि अब योग और आयुर्वेद दुनिया भर में लोकप्रिय हैं और लोग इसका अनुकरण कर रहे हैं।

नेपाल व उत्तराखंड में महसूस किए गए भूकंप के झटके, जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं

नैनीताल: नेपाल और उत्तराखंड के कुमाऊं में भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेपाल में रिएक्टर स्केल पर जहां इसकी तीव्रता 5.6 मापी गई है जबकि उत्तराखंड के पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों में इसका असर हल्का रहा। अभी तक कहीं से जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। पिथौरागढ़ के जिला आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार पिथौरागढ़ जनपद के नाचनी, डीडीहाट, अस्कोट, थल, पांगला और जौलजीबी में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए हैं। रिएक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4 आंकी गई है। पिथौरागढ़ और बागेश्वर में भूकंप के झटके शाम को 4.38 बजे महसूस किए गए। इसका केन्द्र जमीन की सतह से 8 किमी. की गहराई में स्थित था। वहीं इससे पहले 4.37 मिनट पर नेपाल में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसका केन्द्र नेपाल के काठमांडू से 43 किमी दूर एनएनई बताया जा रहा है। रिएक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.6 आंकी गई और इसका केंद्र जमीन की सतह से 10 किमी की गहराई में स्थित था।

जम्मू कश्मीर में विदेशी मेहमानों को नहीं बर्दाशत कर पा रहे आतंकी, एक दिन में तीन हमले

श्रीनगर।

आतंकवादियों ने एक बार फिर साबित कर दिा है कि वो कश्मीर में इतनी आसानी से शांति स्थापित नहीं होने देंगे। उन्होंने विदेशी दूतों के स्वागत में शुक्रवार को लगातार तीन हमले किये हैं। इससे पहले बुधवार देर शाम को भी श्रीनगर में आतंकियों ने कृष्णा ढाबे के मालिक को गोली मार दी थी। शुक्रवार को सबसे पहले आतंकवादियों ने शोपियां में हमला किया। पुलिस पार्टी पर हमला किया जिसमें 2 जवान शहीद हो गए। हालांकि जवानों के शहीद होने को लेकर अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। आतंकियों की तलाश में सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया है।तीन आंतकियों को मुठभेड़ में मार गिराया। मुठभेड़ में पुलिस का एक स्क्ह्ल शहीद हो गया और एक जवान के घायल होने की खबर है। इलाके में आतंकियों के छिपे होने की खबर के बाद सुरक्षा बलों ने सर्च ऑप्रेशन चलाया था, खुद को घिरता देख आतंकियों ने जवानों पर फायरिंद करनी शुरू कर दी। दूसरा हमला दोपहर को बडगाम में किया गया। इसमें एक पुलिसकर्मी अलताफ मोहम्मद शहीद हो गया जबकि एक घायल हो गया। बडगाम में भी तलाशी अभियान जारी है। तीसरा हमला श्रीनगर के बरज़ुआला में किया गया।हमले का एक फुटेज भी सामने आा है जिसमें आतंकी फरार होता दिख रहा है। आपको बता दें कि विदेशी मेहमान जम्मू कश्मीर कीस्थिति का जायजा लेने बुधवार को ही जम्मू कश्मीर पहुंचे हैं। उन्हें सेना ने बतायाकि आतंकवादी किस तरह से हमले करे की फिराक में हैं और यह भी जानकारी दी कि जम्मू कमीर में घुसपैंठ के लिए आतंकवादी सुरंगों का रास्ता अपना रहे हैं।

नेताजी के योगदान को मिटाने का प्रयास किया गया : शाह

कोलकाता।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जो पश्चिम बंगाल की दो दिवसीय यात्रा पर हैं, उन्होंने शुक्रवार को कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान को मिटाने की कोशिश की गई थी, लेकिन वे अभी भी लगातार नागरिकों को प्रेरित कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल दौरे के दूसरे दिन गृह मंत्री अमित शाह ने नेशनल लाइब्रेरी में शौर्यांजलि कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने पश्चिम बंगाल के आइकन को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा उन्होंने बिप्लबी बंगला शीर्षक से एक प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया। गृह मंत्री ने तीन समूहों में एक साइकिल यात्रा को भी हरी झंडी दिखाई, जो 900 किलोमीटर की यात्रा करके जनता के बीच बंगाल आइकन के बारे में जागरूकता पैदा करेगी। शाह ने कहा कि देश नेताजी को बहुत प्रेम से याद करता है और उनकी बलिदान और वीरता को पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा। शाह ने कहा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और देश के लिए किए गए बलिदानों को हर कोई याद करता है। उनके योगदान को मिटाने का प्रयास किया गया, लेकिन वह पीढ़ियों को प्रेरित करते रहे। शाह ने कहा कि इस वर्ष नेताजी को उनकी 125वीं जयंती पर श्रद्धांजलि देने के लिए, केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक समिति बनाई है। युवाओं से नेताजी के जीवन के बारे में पढ़ने की अपील करते हुए शाह ने कहा कि उनका जीवन आपको बहुत कुछ सिखाएगा। शाह ने कहा, देश का भविष्य केवल युवा पीढ़ी द्वारा बनाया जा सकता है, जो देश के इतिहास को समझता है और उन लोगों का सम्मान करता है, जिन्होंने देश के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया है। शाह द्वारा रवाना की गई साइकिल यात्रा के एक समूह का नाम नेताजी के नाम पर रखा गया है, जबकि दो समूहों का नाम स्वतंत्रता सेनानी रास बिहारी बोस और खुदीराम बोस के नाम पर रखे गए हैं। उन्होंने कहा कि साइकिल यात्रा पूरे पश्चिम बंगाल के गांवों का दौरा करेगी और लोगों को देश के लिए स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिए गए बलिदानों के बारे में बताएगी।

मेट्रो मैन श्रीधरन बोले, मोदी सरकार जो भी करे उसका विरोध करना फैशन सा बन गया है

नेशनल डेस्क-

दिल्ली मेट्रो रेल परियोजना में अहम भूमिका निभाने वाले ई श्रीधरन ने केन्द्र के नए कृषि कानूनों का जमकर समर्थन किया और शुक्रवार को कहा कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के हर कदम का विरोध करना एक फैशन सा बन गया है। श्रीधरन ने कहा कि देश में कोई ''असहिष्णुता%% नहीं है। श्रीधरन ने बृहस्पतिवार को कहा था कि वह जल्द ही भाजपा में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि किसी विदेशी मंच अथवा माध्यम में सरकार की छवि खराब करने की किसी भी कोशिश को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं कहा जा सकता क्योंकि वह व्यवस्था के खिलाफ युद्ध के समान होगा और अगर इसका इस्तेमाल हमारे देश के ही खिलाफ हो रहा है तो इस संवैधानिक अधिकार पर नियंत्रण किया जाना चाहिए।

भाजपा को केरल में सत्ता में लाना मुख्य उद्देश्य

केरल से ताल्लुक रखने वाले श्रीधरन (88) ने कहा कि वह राज्य की भलाई के लिए काम करना चाहते हैं, जो राजनीति में प्रवेश के बाद ही हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य भाजपा को केरल में सत्ता में लाना है, जहां इस वर्ष अप्रैल-मई में चुनाव होने हैं। श्रीधरन ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई वर्षों से जानते हैं और जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने राज्य में अनेक परियोजनाओं पर काम किया था। उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें (मोदी) काफी करीब से जानता हूं। वह बेहद ईमानदार, भ्रष्टाचार से दूर, संकल्पित, देश के हितों के प्रति सजग, परिश्रमी हैं।श्रीधरन ने कहा कि राष्ट्रवाद पर जो बहस चल रही वह दुर्भाग्यपूर्ण है और निहित स्वार्थ वाले बहुत से दल हैं जो भाजपा के खिलाफ हैं और बिना किसी कारण के उस पर मिल कर हमला किया जा रहा है।

विपक्षी दल देश हित के खिलाफ काम कर रहे

उन्होंने कहा, 'इसीलिए ये सब हो रहा है। सरकार इतनी भविष्योन्मुख और गतिशील है। अगर वे सरकार का साथ दें, तो भारत और दुनिया के लिए चीजें बेहद अलग हो जाएंगी। उन्होंने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्षी दलों के हमारे कुछ मित्र, देश हित के खिलाफ काम कर रहे हैं। केन्द्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के चल रहे आंदोलन पर उन्होंने कहा कि किसानों ने शायद इन कानूनों से होने वाले फायदों के बारे में सही से समझा नहीं हैं। श्रीधरन ने कहा या तो किसानों ने समझा नहीं है और या वे राजनीतिक कारणों से इसे समझना नहीं चाहते। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के हर कदम का विरोध करना इस देश में एक फैशन सा बन गया है। राष्ट्रवाद और असहिष्णुता पर बहस के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा कि असहिष्णुता है कहां , ये सब केवल बातें हैं।

पश्चिम बंगाल: बीजेपी की युवा नेता की कार में मिला कोकीन, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नेशनल डेस्क।

पश्चिम बंगाल के भाजपा युवा मोर्चा की नेता पामेला गोस्वामी को पुलिस ने कोकीन के साथ गिरफ्तार किया है। वह अपनी कार के अंदर 100 ग्राम कोकीन रखकर ले जा रही थी। पुलिस ने बताया कि भाजपा युवा मोर्चा की पर्यवेक्षक और हुगली जिले की महासचिव पामेला गोस्वामी को कोलकाता के न्यू अलीपुर से शुक्रवार को कई लाख रुपए की कोकीन के साथ गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने उनके करीबी दोस्त प्रोबिर डे को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें पहले से ही पामेला की ड्रग की लत के बारे में जानकारी थी। उन्होंने बताया कि उनके दोस्त प्रोबिर कुमार डे को भी न्यू अलीपुर इलाके में एनआर एवेन्यू से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि चेकिंग के दौरान हमने न्यू अलीपुर में सड़क पर पामेला की कार को रोका। इसके बाद उनकी कार की तलाशी ली गई। ऐसे में पुलिस को कार के अंदर रखे बैग में 100 ग्राम कोकीन बरामद की। पकड़ी गई कोकीन की कीमत बाजार में लाखों रुपये में है। बता दें कि, भाजपा नेता के साथ उस वक्त उनकी सुरक्षा में केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात था। फिलहाल पुलिस मामल की जांच में जुटी हुई है।

उन्नाव मामला: पुलिस ने 2 युवकों को किया गिरफ्तार, एक तरफा प्यार में वारदात को दिया था अंजाम

उन्नाव।

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में दलित किशोरियों की हत्या मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए 2 युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार एक तरफा प्यार में वारदात को अंजाम दिया गया है। तीनों लड़कियां आरोपी लड़कों को भली-भांति जानती थी। इनका खेत मृतकाओं के बगल में था। आरोपियों ने गेंहू में रखने वाली दवा खिलाई थी। जानकारी के अनुसार दोनों आरोपी बेहोशी की हालत में किशोरियों से संबंध बनाना चाहते थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी पॉइजनिंग की पुष्टि हुई है। एक मुख्य आरोपी विनय है, दूसरा नाबालिग है बता दें कि आज गांव के मुखबिर ने पुलिस को सूचना दी कि घटना के दिन दो युवकों को खेतों से भागते हुए देखा था। मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार को पाठक पुरा चौराहे से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों में एक मुख्य आरोपी विनय है, दूसरा नाबालिग है। दोनों आरोपी एक धनुक जाति का एक रावत जाति का है।

लॉकडाउन में हुई थी दोस्ती

लॉकडाउन में तीनों लड़कियों की आरोपितों से दोस्ती हुई थी। एक लड़की ने प्रपोजल ठुकरा दिया था। मोबाइल नंबर भी नहीं दिया था। वारदात की दोपहर तीनों लड़कियों और दो लड़कों ने साथ चिप्स खाए थे। पुलिस कॉम्बिंग के दौरान घटना स्थल से चिप्स का पैकेट भी मिला था। विनय जहर मिला पानी सिर्फ उस लड़की को देना चाहता था, जिसे वो प्यार करता था, लेकिन बाकी दोनों ने पानी छीनकर पी लिया। दहशत में दोनों लड़के वहां से भाग निकले। पुलिस ने सीडीआर और सर्विलांस से घटना का पता लगाया।

घर से चारा लाने खेत गई किशोरियों से बर्बरता

गौरतलब है कि बबुरहा गांव में 17 फरवरी को एक ही परिवार की 15, 14 और 16 साल की 3 लड़कियां अपराह्न करीब 3 बजे जानवरों के लिए चारा लेने घर से निकली थीं। देर शाम तक वापस ना आने पर परिजनों ने उनकी तलाश की तो वे तीनों गांव के बाहर खेत में बेसुध पड़ी मिलीं। वे एक दुपट्टे से बंधी हुई थीं। जिनमें से 2 लड़कियों की मौत हो गई और तीसरी लड़की को गंभीर हालत में उन्नाव जिला अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे कानपुर रेफर कर दिया गया था। जिसकी उसकी हालत में अब सुधार हो रहा है।

RJD अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की ज़मानत याचिका झारखंड हाईकोर्ट में खारिज

नेशनल डेस्क:

झारखंड हाईकोर्ट ने चारा घोटाले से जुड़े दुमका कोषागार गबन मामले में राजद प्रमुख लालू प्रसाद की जमानत याचिका शुक्रवार को इस आधार पर खारिज कर दी कि उन्होंने इस मामले में उन्हें मिली सजा की आधी अवधि अभी पूरी नहीं की है। न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने आज लगभग ढाई घंटे तक चली लंबी सुनवाई के बाद लालू प्रसाद की जमानत याचिका खारिज कर दी। लालू की ओर से दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्ब्ल ने दावा किया कि लालू ने दुमका कोषागार गबन मामले में मिली सजा की आधी अवधि (42 माह से अधिक) पूरी कर ली है, लिहाजा उन्हें इस मामले में जमानत दी जानी चाहिए। वहीं, सीबीआई ने इसका विरोध किया और कहा कि लालू ने इस मामले में अब तक सिर्फ 37 माह 19 दिन की सजा पूरी की है, अतः उन्हें अभी जमानत नहीं दी जा सकती। न्यायालय ने दोनों पक्षों से उनके दावों के संबंध में कागजात मांगे और उनके द्वारा पेश कागजात के आधार पर दुमका मामले में लालू की न्यायिक हिरासत की कुल अवधि चालीस माह मानी और जमानत याचिका को खारिज कर दिया। रांची में लालू के स्थानीय अधिवक्ता देवर्षि मंडल ने पीटीआई-भाषा से कहा कि इस मामले में लालू उच्चतम न्यायालय में अपील में नहीं जाएंगे। उल्लेखनीय है कि लालू को सीबीआई की विशेष अदालत ने दुमका कोषागार गबन मामले में चौदह वर्ष कैद की सजा सुनाई थी। इसमें भारतीय दंड संहिता से जुड़ी धाराओं के तहत सात वर्ष की और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत अगले से सात साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। लालू की ओर से आधी सजा पूरी करने और बीमारी का हवाला देते हुए झारखंड उच्च न्यायालय से जमानत की गुहार लगाई गई थी। लालू को अब तक चारा घोटाले से जुड़े चार विभिन्न मामलों में सजा मिल चुकी है जिनमें से तीन मामलों में उन्हें उच्च न्यायालय से जमानत मिल चुकी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)